लखनऊ

रविवार, 29 सितम्बर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 79

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शिक्षा अचानक से प्राप्त नहीं की जा सकती, इसे उत्साह और परिश्रम के द्वारा प्राप्त किया जाना चाहिए। - अबीगैल एडम्स

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा, कहा- इनका हिंसा के बारे में बात करना सबसे बड़ा पाखंड

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के मंच से एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान को लताड़ लगाते हुए उसकी असलियत दुनिया को दिखाई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत की राजनयिक भाविका मंगलनंदन ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान दुनियाभर में आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए वैश्विक रूप से बदनाम है और वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर हमला करने का दुस्साहस कर रहा है। भारतीय राजनयिक ने कहा, 'आज सुबह इस सभा में दुखद रूप से एक हास्यास्पद घटना घटी। आतंकवाद, नशीले पदार्थों, व्यापार और अंतरराष्ट्रीय अपराध के लिए वैश्विक रूप से बदनाम और सेना द्वारा संचालित देश ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के भाषण में भारत के संदर्भ के बारे में बात कर रही हूं। जैसा कि दुनिया जानती है, पाकिस्तान लंबे समय से अपने पड़ोसियों के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। इसने हमारी संसद, हमारी वित्तीय राजधानी मुंबई, बाजारों और तीर्थयात्रा मार्गों पर हमला किया है। यह सूची काफी लंबी है। ऐसे देश के लिए कहीं भी हिंसा के बारे में बात करना सबसे बड़ा पाखंड है।' भाविका मंगलनंदन ने कहा कि 'धांधली वाले चुनावों के इतिहास वाले देश के लिए लोकतंत्र में राजनीतिक विकल्पों के बारे में बात करना और भी हैरान करने वाला है।

'अभी खत्म हो जाएगी इजराइल-गाजा जंग', UN में नेतन्याहू ने हमास के सामने रखीं ये 3 कंडीशन

लेबनान, एजेंसी। गाजा और लेबनान में जंग के बीच इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ईरान, हमास और हिजबुल्लाह पर निशाना साधा ही साथ ही साथ अपने सबसे करीबी दोस्त अमेरिका को भी नसीहत देते नजर आए। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल एक साल से असहनीय स्थिति को बर्दाश्त कर रहा है लेकिन आज मैं यहां कहने आया हूं कि 'अब बहुत हो गया।' नेतन्याहू ने ईरान और इराक को मिडिल ईस्ट के लिए अभिशाप बताते हुए कहा कि पिछले साल इजराइल और सऊदी अरब के बीच ऐतिहासिक डील होने वाली थी लेकिन हमास ने हमला कर उसे रुकवा दिया। नेतन्याहू ने ईरान पर आरोप लगाया है कि वह नहीं चाहता इजराइल और सऊदी अरब के बीच समझौता हो। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में साफ कर दिया है कि लेबनान और गाजा में हमले नहीं रुकेंगे। उनकी सेना हमास और हिजबुल्लाह के खिलाफ तब तक जंग करती रहेगी जब तक वह अपने युद्धलक्ष्यों को पूरा नहीं कर लेते। नेतन्याहू ने कहा कि, 'मैं इस साल UNGA में नहीं आना चाहते थे, लेकिन जब इस मंच पर कई वक्ताओं को इजराइल को लेकर झूठ फैलाते सुना तब मैंने यहां आने का और सच्चाई को दुनिया के सामने लाने का फैसला किया।' इसके अलावा नेतन्याहू ने UNGA के मंच से हमास को संदेश दिया कि अगर वह गाजा में संघर्ष खत्म करना चाहता है तो उसे 3 शर्तें माननी होंगी।

भरोसा दिल से, भाजपा फिर से..., हरियाणा में बोले नरेंद्र मोदी

जो मध्य प्रदेश में हुआ, वही यहां होगा, कांग्रेस पस्त पड़ती जा रही

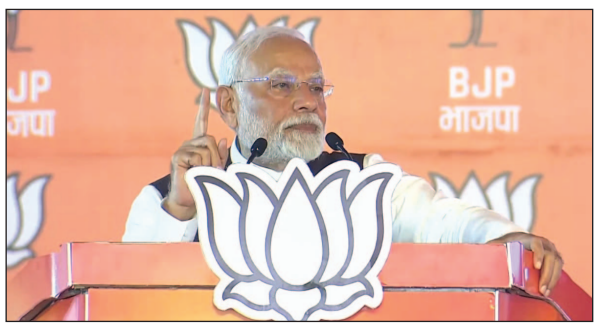

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के हिसार में आयोजित जन आशीर्वाद रैली को संबोधित किया। इस दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा कि हरियाणा का विकास ऐसे ही बिना रूके चलते रहना चाहिए। इसलिए हरियाणा तीसरी बार भाजपा को मौका देने का मन पक्का कर चुका है। चारों तरफ से आवाज आ रही है - भरोसा दिल से, भाजपा फिर से...। उन्होंने दावा किया कि जैसे-जैसे वोटिंग की तारीख नजदीक आ रही है। कांग्रेस पस्त पड़ती जा रही है। कांग्रेस के नेता अब कहने लगे हैं कि हरियाणा में भी वही हाल होगा, जो मध्य प्रदेश में हुआ था।

मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में पिछले चुनाव में इन्होंने झूठ का गुब्बारा खूब फुलाया। लेकिन जनता ने वोट की चोट देकर उस गुब्बारे की हवा निकाल दी। अब हरियाणा में भी यही होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का ये हाल इसलिए होता है, क्योंकि कांग्रेस देश की सबसे धोखेबाज और बेईमान पार्टी है। हिमाचल का इन्होंने क्या हाल कर दिया? हिमाचल में इन्होंने क्या-क्या झूठ बोला, उसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। अब सरकार बनने के बाद कांग्रेस ने अपने वायदों से पल्ला झाड़ लिया है। जनता कांग्रेस से कह रही है - क्या हुआ तेरा वादा?

प्रधानमंत्री ने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि जहां कांग्रेस होती है, वहां कभी स्थिरता नहीं आ सकती। जो पार्टी अपने नेताओं के बीच ही एकता नहीं ला सकती, वो राज्य में स्थिरता कैसे लाएगी। यहां कांग्रेस में मुख्यमंत्री बनने के लिए मारामारी मची है। उन्होंने भूपिंदर हुड्डा और उनके बेटे देवेंद्र हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि बापू भी दावेदार है, बेटा भी दावेदार है। दोनों मिलकर, बाकियों को निपटाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में दलितों और पिछड़ों के लिए दरवाजे एकदम बंद हैं। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के राज में गोहाना में दलितों पर अत्याचार हुआ, मिर्चपुर कांड हुआ, कांग्रेस चुप रही। कांग्रेस के राज में दलित बेटियों के साथ अत्याचार हुआ, अन्याय हुआ, कांग्रेस चुप रही। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस का शाही परिवार कह रहा है कि दलितों और पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देंगे। कांग्रेस ने दलितों पर जो अत्याचार किया है, उसे दलित समाज कभी भूल नहीं सकता।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा सर्वसमाज की भागीदारी सुनिश्चित कर रही है। हमारे मुख्यमंत्री सैनी जी सबको साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं। हमारी सरकार ने हरियाणा के मुख्यमंत्री निवास का नाम कबीर कुटीर रखा है। यहां हिसार में ही दलित परिवारों में भी जो वंचित हैं, उनके बच्चों के लिए बने कबीर छात्रावास का फंड भी भाजपा ने बढ़ाया। उन्होंने कहा कि जिनका कोई नहीं, जिनको कोई नहीं पूछता, मोदी उनको पूजता है। आज मुद्रा योजना से हरियाणा के लाखों लोगों को बिना गारंटी के लोन मिले हैं। ये गरीब, दलित और पिछड़े परिवारों के लोग हैं। मोदी ने रेहड़ी-पटरी और ठेलों पर काम करने वाले अपने भाई-बहन का भी ध्यान रखा है। ये कोई धन्नासेठ नहीं हैं, ये गांव, गरीब, दलित, पिछड़े परिवारों के मेरे भाई-बहन हैं।

मोदी वे साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस ने किसानों को भी हमेशा वोटबैंक के रूप में ही देखा है। कांग्रेस ने हमेशा किसानों को पानी के लिए तरसाया है, जबकि भाजपा उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यहां किसानों के लिए बड़ी-बड़ी बातें करती है। लेकिन आपको भूलना नहीं है कि हुड्डा की सरकार तो 2 रुपये के मुआवजे देने वाली सरकार थी। लेकिन ये भाजपा सरकार है, जो बिना मांगे देश के 10 करोड़ से ज्यादा किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में 6,000 रुपये सीधे उनके बैंक खातों में भेजती है।

'इनकी बांटने की राजनीति ...', फरीदाबाद रैली में आप और कांग्रेस पर बरसे योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा के फरीदाबाद के एनआईटी विधानसभा क्षेत्र में शनिवार (28 सितंबर) को चुनावी रैली को संबोधित किया। यहां योगी आदित्यनाथ ने विरोधी दलों पर हमला करते हुए कहा, ₹कांग्रेस, इनेलो और आम आदमी पार्टी विकास नहीं चाहती क्योंकि अगर विकास हुआ तो उनकी दुकानें बंद हो जाएंगी और उनकी बांटने की राजनीति खत्म हो जाएगी।"

एकबार फिर अनुच्छेद 370 का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर हमला बोला। सीएम योगी ने कहा, "कांग्रेस देश में आतंकवाद की समस्या देती है। क्या कांग्रेस के रहते कश्मीर से अनुच्छेद 370 हट सकता था। देश से आतंकवाद की जड़ें अनुच्छेद 370 थी, मोदी जी ने समाप्त कर दी। यानी आतंकवाद समाप्त। आतंकवाद समाप्त का मतलब वर्तमान सुरक्षित और बेहतर भविष्य के लिए उठाया गया कदम है। इसलिए कहने आया हूं कि बीजेपी वर्तमान को तो सुरक्षित कर ही रही है और भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रही है।" कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए सीएम योगी ने कहा, "कांग्रेस की 10 साल की सरकार में हरियाणा भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा हुआ था, लूट खसोट थी। माफिया कांग्रेस सागिर्द थे। ये सभी हरियाणा का शोषण कर रहे थे, हरियाणा के विकास में रोड़े अटका रहे थे। बीजेपी के 10 वर्ष के अंदर हरियाणा ने विकास की नई यात्रा शुरू की। छह लेन, आठ लेन की सड़क, मेट्रो, हर घर नल योजना, आईआईटी, एम्स, आईआईएम के मधायम से हरियाणा को निवेश के बेहतरीन डेस्टिनेशन के रूप में पहचान दिलाई।"

भाजपा ने हरियाणा की जनता से किये ये 20 वादें ...

2 लाख युवाओं को नौकरी, महिलाओं को हर महीने 2 हजार रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव में कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में सभी पार्टियां जनता को लुभाने में जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस के बाद भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने भी गुरुवार को अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। भारतीय जनता पार्टी (BJP) के अध्यक्ष जेपी नड्डा (JP Nadda) ने हरियाणा की जनता के लिए 20 सूत्रीय 'संकल्प पत्र' जारी किया। संकल्प पत्र में बीजेपी में महिला, किसान, युवा और बुजुर्ग सभी वर्गों पर फोकस किया है। चुनावी वादों में जहां महिलाओं को हर महीने 2000 रुपये देने की बात की गई है। वहीं, युवाओं को रोजगार और बुजुर्गों को पेंशन का भरोसा दिया गया है। जेपी नड्डा ने इसके अलावा राज्य के लिए वंदे भारत ट्रेनों का भी ऐलान किया है।

Haryana की जनता से BJP ने किये ये वादें

24 फसलों की MSP पर होगी खरीद।

महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना में हर महीने मिलेंगे 2000 रुपये।

हर घर गृहिणी योजना के तहत 500 रुपये में मिलेगा गैस सिलिंडर।

हरियाणा के अग्निवीरों को राज्य सरकार देगी नौकरी।

OBC उधमियों को मिलेगा 25 लाख तक का कर्ज।

ग्रामीण छात्राओं को स्कूटी देने का भी वादा।

हर जिले में होगी ओलंपिक खेलों की ट्रेनिंग।

पिछड़ी जातियों के लिए बनेगा अलग-अलग कल्याण बोर्ड।

2 लाख युवाओं को पक्की सरकारी नौकरी मिलेगी।

नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत होगी।

शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में 5 लाख घर बनाए जाएंगे।

फरीदाबाद-गुरुग्राम के बीच इंटरसिटी एक्सप्रेस सेवा की शुरुआत होगी।

'चिरायु आयुष्मान योजना' के तहत 10 लाख तक का होगा मुफ्त इलाज।

सरकारी अस्पतालों में डायलिसिस की सेवा मुफ्त मिलेगी।

साइंटिफिक फॉर्मूले के तहत मासिक पेंशन में होगी वृद्धि

कांग्रेस ने हरियाणा के लिए घोषणा पत्र जारी

'300 यूनिट फ्री बिजली और प्लॉट, महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपये और ...

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव में महज कुछ ही दिन बचे हैं। सभी पार्टियां जनता को लुभाने में लगी हुई हैं। इन सबके बीच कांग्रेस ने बुधवार को अपना गारंटी पत्र जारी कर दिया। कांग्रेस की तरफ से जारी गारंटी पत्र में महिला, किसान, बुजुर्ग और युवाओं पर फोकस किया गया है। हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदय भान ने पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए कहा, 'हरियाणा में अगर कांग्रेस की सरकार बनी तो 18 साल से ऊपर की हर महिला को सशक्त बनाने के लिए 2000 रुपये प्रति माह दिया जाएगा। साथ ही 500 रुपये में एलपीजी गैस सिलेंडर मिलेंगे।

ओल्ड पेंशन स्कीम का भी वादा

पार्टी ने वरिष्ठ नागरिकों को 6,000 रुपये पेंशन देने का भी ऐलान किया है। इसके साथ-साथ पुरानी पेंशन योजना (Old Pension Scheme) बहाल की जाएगी और 2 लाख खाली सरकारी पदों को जल्द भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा को नशा मुक्त बनाया जाएगा। इसके अलावा चिरंजीवी योजना की तर्ज पर 25 लाख रुपये का मुफ्त इलाज दिया जाएगा। इसके अलावा गरीब परिवार को हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली के साथ-साथ 100 गज के प्लॉट भी दिए जाएंगे। कांग्रेस ने कानूनी एमएसपी की गारंटी भी दी है।

कांग्रेस की गारंटी में क्या-क्या?

वरिष्ठ नागरिकों को हर महीने 6,000 रुपये का पेंशन दिया जाएगा।

पुरानी पेंशन योजना (Old Pension Scheme) बहाल की जाएगी

2 लाख खाली सरकारी पदों को जल्द से जल्द भरा जाएगा।

हरियाणा को नशा मुक्त बनाया जाएगा।

चिरंजीवी योजना की तर्ज पर 25 लाख रुपये का मुफ्त इलाज दिया जाएगा।

गरीब परिवार को हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी।

गरीब परिवारों को 100 गज के प्लॉट भी दिए जाएंगे।

किसानों को कानूनी MSP की गारंटी भी दी गई है।

'न्याय व्यवस्था को दिव्यांग बच्चों की परेशानियों पर ध्यान देने की जरूरत', सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि पुलिस थानों से लेकर अदालतों तक पूरी न्याय व्यवस्था को दिव्यांग बच्चों की परेशानियों को समझने और उसके समाधान पर ध्यान देना चाहिए। बाल संरक्षण पर नौवें राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक चर्चा कार्यक्रम में बोलते हुए सीजेआई ने कहा कि दिव्यांग लोगों की चुनौतियां शारीरिक से भी ज्यादा हैं। उन्हें शारीरिक चुनौतियों के साथ-साथ समाज में व्याप्त पूर्वाग्रहों, रूढ़ियों और गलत धारणाओं से भी जूझना होता है।

मुख्य न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि 'हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पुलिस थानों से लेकर न्यायालयों तक न्याय प्रणाली इन बच्चों की परेशानियों को समझें और उनका समाधान करें। किशोर न्याय अधिनियम दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और सामुदायिक सेवा जैसे विभिन्न पुनर्वास और पुनः एकीकरण उपायों की रूपरेखा तैयार करता है। दिव्यांग बच्चों के लिए, इन उपायों को अनुकूलित किया जा सकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें वह विशेष सहायता मिले जिसकी उन्हें सफल होने के लिए जरूरत है।'

दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन यूनिसेफ, भारत के सहयोग से सुप्रीम कोर्ट की किशोर न्याय समिति के तत्वावधान में किया गया था। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि 'दिव्यांगता अक्सर लिंग, जाति, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और जातीयता जैसी अन्य हाशिए की पहचानों के साथ जुड़ती है, जिससे बच्चों के साथ होने वाले भेदभाव को बढ़ावा मिलता है।' सीजेआई ने जोर देकर कहा कि राज्य को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दिव्यांग बच्चों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की जाए।

पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 3 की मौत, 7 बुरी तरह झुलसे

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 3 लोगों की मौत हो गई है और 7 लोग झुलस गए हैं। मरने वालों में एक महिला और एक बच्चा शामिल है। तीसरे मृतक का शव अभी तक नहीं मिला है।घायलों में 7 महिलाएं हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।हादसे की वजह अभी साफ नहीं है, लेकिन बताया जा रहा है कि सिलेंडर में गैस लीकेज की वजह से फैक्ट्री में आग लग गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसा सोनीपत के रिढाऊ गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में हुआ है। हादसे के बाद फैक्ट्री की पूरी इमारत गिर गई।धमाका इतना तेज था कि आसपास के कई घरों में दरार आ गई है।बताया जा रहा है कि गांव का रहने वाला वेद नाम का शख्स अपने घर में ही अवैध रूप से फैक्ट्री चला रहा था। फिलहाल वो फरार है।सूचना मिलते ही दमकल विभाग और बचाव टीम मौके पर पहुंची है।

घटना के बाद पुलिस ने मकान मालिक को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन फैक्ट्री का संचालक फरार है। स्थानीय लोगों का कहना है कि फैक्ट्री अवैध तरीके से चल रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें पता ही नहीं था कि फैक्ट्री में पटाखे बनाए जा रहे हैं।

कुलगाम मुठभेड़ में 2 आतंकी ढेर, सेना के 4 जवान और एक पुलिस अधिकारी घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक अधिकारी सहित पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ कुलगाम के अदिगाम इलाके में हो रही थी।

पुलिस ने बताया कि देवसर क्षेत्र के आदिगाम गांव में सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। जिले के आदिगाम गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद सेना, पुलिस और सीआरपीएफ समेत सुरक्षाबलों ने इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

अधिकारियों के अनुसार, ₹सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया। जब आतंकियों ने खुद को घिरा देखा तो उन्होंने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से सेना के चार जवान और जम्मू-कश्मीर पुलिस के तिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) मुमताज अली मामूली रूप से घायल हो गए हैं। सुरक्षाबलों ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी भागने के रास्ते बंद कर दिए हैं कि छिपे हुए आतंकवादी भागने में असमर्थ हों। मुठभेड़ स्थल पर पहले ही अतिरिक्त बल पहुंच चुके हैं। घायल सुरक्षाकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।'

माना जा रहा है कि ये आतंकवादी कट्टर विदेशी भाड़े के आतंकवादी हैं। इन आतंकवादियों ने पिछले तीन-चार महीनों के दौरान जम्मू डिवीजन के डोडा, कठुआ, राजौरी, पुंछ और रियासी जिलों में सेना, स्थानीय पुलिस और नागरिकों पर हमला कर उन्हें मार गिराया है। पहाड़ी इलाकों में सेना और अन्य लोगों पर घात लगाकर हमला करने के बाद आतंकवादी इन पहाड़ी जिलों के घने जंगलों और वन क्षेत्रों में भाग जाते हैं। आतंकवादियों के हमलों को नाकाम करने के लिए, जम्मू डिवीजन के ऊंचे पर्वतीय इलाकों और घने जंगलों में 4,000 से अधिक पैरा कमांडो और पर्वतीय युद्ध में प्रशिक्षित जवानों को तैनात किया गया था। सुरक्षाबलों की इस रणनीति के बाद, इन जिलों में आतंकवादी हमलों में भारी कमी आई है।

राहुल गांधी ने विदेश मंत्री जयशंकर को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तमिल मछुआरों की गिरफ्तारी के मुद्दे पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर को पत्र लिखा है। राहुल ने अपने पत्र में कहा कि मैं आपको 37 तमिल मछुआरों की गिरफ्तारी और 21 सितंबर, 2024 को श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा उनकी नावों को जब्त करने के संबंध में लिख रहा हूं। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया इस मामले को श्रीलंकाई अधिकारियों के समक्ष उठाएं और मछुआरों और उनकी नावों की शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि इससे पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट की और उनसे तमिल मछुआरों की रक्षा के लिए दखल देने के अलावा चेन्नई मेट्रो एवं समेकित शिक्षा पहलों के लिए लंबित धन को शीघ्र जारी करने की मांग की। श्रीलंका की नौसेना के हाथों गिरफ्तार कर लिये जाने वाले तमिल मछुआरों के दुखःदर्द की चर्चा करते हुए स्टालिन ने मोदी से निजी दखल देने का अनुरोध किया और कहा कि मछली पकड़ने में इस्तेमाल 191 नौकाओं एवं 145 मछुआरों को पकड़ लिया गया है। उन्होंने अगले महीने कोलंबो में होने वाली भारत-श्रीलंका संयुक्त समिति की बैठक में इस मामले का समाधान निकालने की मांग की। मोदी से मुलाकात के बाद स्टालिन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें तीनों मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया है। गिरफ्तार मछुआरों में से एक, एंथोनी राज की पत्नी, झाँसी रानी ने कहा कि 35 दिन हो गए हैं, और हमें उनकी स्थिति के बारे में पता नहीं है।

हिंदू भावनाओं से खेलने वालों पर सख्त हो करवाईः सर्वेश सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। गंगा जमुनी तहजीब की झूठी मिसाल देने वाले लोग, हिंदू की भावनाओं पर एक बड़ा कुठाराघात करते हुए सनातन हिंदू की भावनाओं पर तगड़ा चोट करने से बाज नहीं आ रहे हैं। जनपद के कुड़वार थाना क्षेत्र के धरावा गांव निवासी नदीम खान ने मुंबई में रहकर सोशल मीडिया पर भगवान श्री राम और मां सीता के प्रति अभद्र टिप्पणी की है। मामले में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ उग्र हो गया, अंततः पुलिस अधीक्षक के हस्तक्षेप के बाद कुड़वार पुलिस को 254/24 के तहत धारा 196, 353, 299 बीएनएस, 67 आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करना पड़ा। पुलिस द्वारा ढुलमुल रवैया अपनाये जाने के खिलाफ राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ ने जिला अधिकारी संबोधित सिटी मजिस्ट्रेट प्रवीण कुमार को ज्ञापन सौंपकर तत्काल गिरफ्तारी किए जाने की बात कही है।

बताते चलें कि भारत हिंदू राष्ट्र घोषित कराने की तरफ हिंदू संगठन के अलावा तमाम नेता अपनी झूठी आवाज भले ही बुलंद करते हैं, वहीं गोकशी हो या हिंदू की आस्था के चोट का सवाल हो राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ आगे आकर लड़ाई लड़ने के लिए तैयार खड़ा दिखाई दे रहा है। संगठन के प्रदेश प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रभु श्री राम और मा भगवती सीता के प्रति नदीम खान सोशल मीडिया पर जिस तरह पोस्ट किया है वह अक्षम्य है। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत में तमाम हिंदू हिंदू संगठन राजनीति के गलियारे में अपनी दुकान चला रहे हैं , झूठी बयान बाजी करते हैं लेकिन एक भी संगठन चाहे बीएचपी हो या हिंदू युवा वाहिनी अथवा आरएसएस बजरंग दल, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सहित एक भी संगठन आगे नहीं आया है, सभी ने अपनी आंख व कान पूरी तरह बंद कर लिया है कार्यवाही कराने के लिए आगे नहीं आए। इकलौता ही राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ के प्रदेश प्रभारी सर्वेश सिंह, महामंत्री जयशंकर दुबे संरक्षक राकेश प्रताप सिंह दद्दू, मीडिया प्रभारी रवि दुबे ने अपने-अपने आधार कार्ड पुलिस को सौंप कर गवाह बनने की बात कही है। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा है सोशल मीडिया पर किसी की आस्था पर लिखकर वायरल करना बिल्कुल अपराध है। ऐसे लोगों को पकड़ कर उन पर कड़ी कार्यवाही अवश्य होनी चाहिए। वहीं पुलिस का कहना है कि जल्द ही गिरफ्तार करने के लिए टीम गठित की गई है। इस अवसर पर विश्व हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, आलोक तिवारी, अनुज सिंह, अनिल अग्रहरि, शिव शंकर पांडे, यश एन तिवारी, सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे। इस बावत कुड़वार थाना इंचार्ज चंद्रभान वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ व पुलिस अधीक्षक के हस्ताक्षर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। धरावा गांव निवासी नदीम खान पुत्र अंसार मुंबई में रहकर सोसल मीडिया पर ऐसी पोस्ट किया है। फोन से वार्ता कर उसे बुलाया गया है लखनऊ की लोकेशन मिल रही है जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

कूटरचित कागजात लगा ट्रस्टी विद्यालय हड़पने की साजिश

सुलतानपुर। जालसाजो ने सुनियोजित ढंग से एक ट्रस्टी विद्यालय को हड़पने की साजिस रची है। ट्रस्ट के संस्थापक एंव सदस्यो के फर्जी हस्ताक्षर युक्त त्यागपत्र के जरिए ट्रस्ट को ही बदल दिया है, संस्थापक की तहरीर पर धनपतगंज पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामला धनपतगंज थाने के ग्राम जज्जौर से जुड़ा है बता दे कि अयोध्या जनपद के अछोरा निवासी अनुरुद्ध कुमार तिवारी जज्जौर ग्राम में सिद्धवीर बाबा पब्लिक स्कूल चलाते है इनका सिद्धवीर बाबा एजूकेशनल एन्ड स्पोर्टस फाउन्डेशन के नाम ट्रस्ट है। संस्थापक का आरोप है कि राजकुमार यादव, श्रवण कुमार यादव, संजीव कुमार गुप्ता तथा सतपाल द्वारा ट्रस्टी विद्यालय को हड़पने की साजिश करते हुए संस्थापक व ट्रस्ट के आठ सदस्यो का कूटरचित ढंग से त्याग पत्र बनवा फर्जी हस्ताक्षर कर सप्लीमेंट्री ट्रस्ट डीड पंजीकृत करवा लिया जबकि संस्थापक और सदस्य का कहना है।

बैंक बेवजह उद्यमियों की फाइलों को न लटकाएं : मंडलायुक्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोण्डा। शनिवार को मण्डलीय उद्योग बंधु की बैठक आयोजित हुई, जिसमें आयुक्त देवीपाटन मंडल शशि भूषण लाल सुशील ने उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति को परखा तथा उद्यमियों की समस्याओं को सुना। उन्होंने संयुक्त आयुक्त उद्योग को निर्देश दिए कि सभी उद्यमियों को सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से दिया जाए। योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कराकर उद्यमियों को लाभ दिलाया जाए। बैठक में लघु उद्योग भारती के जिला महामंत्री शिव कुमार सोनी द्वारा बैंकों में उद्यमियों की फाइलों को लटका कर रखे जाने की शिकायत की गयी, जिस पर आयुक्त ने सभी एलडीएम को निर्देश दिए कि उद्यमियों से संबंधित फाइलों को बेवजह लटका कर न रखा जाए। जो अभिलेख जरूरी हो, उसके बारे में उद्यमियों को एक बार में ही बता दिया जाए ताकि उसे बार-बार बैंक के चक्कर न लगाने पड़े। जिला महामंत्री ने आयुक्त के समक्ष कहा कि बैंकों में उद्यमियों के जाने पर बैंक कर्मियों द्वारा उचित जवाब नहीं दिया जाता है। अतः उद्यमियों के लिए हेल्प डेस्क बना दिया जाए जिससे कि उद्यमी बैंक में अपना काम आसानी से करा सकें। इस पर मंडलायुक्त ने एलडीएम को निर्देश दिए कि वह इस संबंध में उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए उद्यमियों के लिए हेल्प डेस्क की व्यवस्था बनाएं, ताकि उद्यमियों की समस्याओं को विशेष तौर पर सुना जाए जिससे सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उद्यमियों को आसानी से प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि बैंक के सभी कर्मचारी उद्यमियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनें तथा उनकी समस्याओं का उचित निस्तारण करायें।

एक पौधा मां के नाम सीडीपीओ राम सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

नवाबगंज गोंडा। आंगनवाडी परियोजना कार्यालय में शनिवार को 'संभव अभियान' और राष्ट्रीय पोषण माह के समापन अवसर पर समारोह किया गया। जिसकी शुरूआत पोषण अभियान की रैली निकाली हुई, इसके पश्चात 'एक पौधा माँ के नाम' अभियान के तहत कार्यालय परिसर मे सीडीपीओ रमा सिंह के द्वारा पौध रोपित किया गया। कार्यक्रम मे उपस्थित सैकडो कार्यकत्रियों को स्वच्छता का शपथ भी दिलाया गया।

समारोह मे सम्भव अभियान एवं पोषण माह में विभागीय कार्य एवं कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र पर दाखिल कराने मे बेहतर विभागिय समन्वय के लिए ब्लॉक कोर्डिनेटर अतुल सिहं और पोषण पूनर्वास केन्द्र पर बच्चों को भर्ती कराने वाली कार्यकत्रियों को बीडीओ विजय कान्त मिश्रा के हाथो प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कराया गया। स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा में आंगनबाड़ी केंद्रों से चयनित बालक बालिकाओं और उनके अभिभावको को भी सम्मानित किया गया। समारोह मे एनआरसी सेंटर से स्वस्थ होकर आए बच्चो के अभिभावक भी सम्मानित हुए । केंद्रो पर पंजीकृत दिव्यांग बच्चो को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान पत्र बांटा गया । प्रमुख प्रतिनीधि भानु प्रताप सिंह और बीडिओ द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ लिया । इस मौके पर अतिथियो के हाथो गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं 6 माह पूर्ण कर चुके बच्चो का अन्नप्राशन संस्कार भी सम्पन्न कराया गया । आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं ने स्टाल लगाकर पोषण थाल का प्रदर्शन किया । उपस्थित लोगो मे मुख्यसेविका मिताली सिंह, मीना उपाध्याय, सहायक लिपिक इकबाल अहमद समेत सैकडो कार्यकत्री मौजूद रहीं।

मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस को लेकर जारी शासनादेश की अनदेखी का आरोप

गोण्डा। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की अपर आयुक्त प्रशासन रेखा एस चौहान से मिला और मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस जारी होने में 2017 के शासनादेश का अनुपालन न किए जाने की बात रखी। खाद्य सुरक्षा आयुक्त (प्रशासन) द्वारा रिटेल लाइसेंस एक कार्य दिवस में और होलसेल का लाइसेंस 15 कार्य दिवस में जारी करने का शासनादेश 31 जुलाई 2017 को जारी किया गया, लेकिन प्रदेश के किसी भी जनपद में 24 घंटे में रिटेल का लाइसेंस नहीं जारी किया जा रहा है। आरोप लगाया गया कि इसकी आड़ में औषधि निरीक्षकों द्वारा अवैध वसूली की जा रही है। प्रदेश में औषधि निरीक्षकों द्वारा फॉर्म 35 की आड़ में मेडिकल स्टोरों से पहले नोटिस दिया जाता है और फिर लेन-देन कर मामले को निस्तारित दिखाकर अनियमितता बरती जा रही है।

शहीदे आजम की जयंती पर संगोष्ठी व रक्तदान शिविर आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती के अवसर पर आजाद समाज सेवा समिति द्वारा नगर में प्रभात फेरी निकालकर शहीदे आजम सहित समस्त शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया और जिला पंचायत स्थित भगत सिंह पार्क में एक विचार गोष्ठी आयोजित हुई। तत्पश्चात मेडिकल कॉलेज स्थित ब्लड बैंक में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर यश के गोयल द्वारा रक्तदान का शुभारंभ किया। तत्पश्चात संस्था पदाधिकारी शराफत खान, दिलीप सिंह, अमन सिंह, अमित सिंह, पवन शर्मा, मोइद खान, अदनान खान, आदर्श सिंह, हर्षित तिवारी, रुजदान खान, सरदार जी पी सिंह, शरद त्रिपाठी, राजेंद्र पटवा, योगेंद्र प्रताप सिंह, सर्वेश सिंह, वैभव श्रीवास्तव, अजय कुमार, अवधेश विश्वकर्मा, सहित कुल 18 पदाधिकारियों द्वारा रक्तदान महादान कर शहीदे आजम भगत सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ समाज सेवी करतार केशव यादव ने आजाद समाज सेवा समिति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस खराब मौसम में भी एक बड़ी संख्या में लोग शहीद भगत सिंह पार्क में सुबह 8 बजे उपस्थित हुए और वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए तथा शहीदे आजम भगत सिंह से प्रेरणा लेकर देश और समाज में सेवा की बात कही। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के डॉक्टर यश के गोयल ने कहा कि रक्तदान करने से व्यक्ति का किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होता, वल्कि रक्तदान करने से व्यक्ति और स्वस्थ रहता है तथा लोगों की जान बचाने में मदद कर सकता है। संगठन मंत्री गिरीश तिवारी बब्लू ने कहा कि मतभेदों के बावजूद राष्ट्रीय मुद्दों व विचारों पर हमें एकजुट रहना आवश्यक है। संगठन के प्रवक्ता सर्वेश सिंह ने कहा कि भगत सिंह जैसे सभी क्रांतिकारियों जिन्होंने देश को आजाद कराया उनके विषय को बच्चों के पाठ्यक्रमों में शामिल करने की आवश्यकता है जिससे आने वाली पीढ़ी उनका अनुसरण कर सके। संस्था अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि जहां एक तरफ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने आंदोलनों से देश में आजादी की अलख जगाई तों वहीं दूसरी तरफ भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के बलिदान ने देश को आजाद करने में अपनी अहम भूमिका अदा की, देश ऐसे महापुरुषों का सदैव रिडी रहेगा। इस अवसर पर संस्था के किशन चैरसिया, राकेश वर्मा, विजय यादव, बाबूलाल जायसवाल, वरुणेश मिश्रा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

10 राज्यों में फैला नेटवर्क, करोड़ों की ऑनलाइन ठगी करने वाला शौकीन सैफी 5वीं तो विनय तोमर है बीएससी पास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बागपत। साइबर थाना पुलिस ने इंश्योरेंस कंपनियों की पॉलिसी को री-ओपन कराने, बोनस दिलाने व टैक्स में छूट कराने का झांसा देकर 10 राज्यों में चार करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने वाले गिरोह का राजफाश किया है। गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार किए हैं। इनके पास से एक रुपया भी बरामद नहीं हुआ है।

थाना प्रभारी प्रदीप ढौंडियाल ने बताया कि रमा शुक्ला निवासी गाजियाबाद ने गत 19 अगस्त को मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से वाट्सएप कॉल आई थी। कॉलर ने उसकी पूर्व में बंद हो चुकी पीएनबी मेटा लाइफ इंश्योरेंस पालिसी को पुनः चालू कराने का झांसा देकर 2.20 लाख रुपये की ठगी की। उसको पॉलिसी के फर्जी अभिलेख भेजे।

पुलिस ने गिरफ्तार किए आरोपित

विवेचना से प्रकाश में आए आरोपित शौकीन सैफी मूलनिवासी ग्राम असारा, हाल निवासी मुस्तफाबाद करावलनगर दिल्ली, सचिन मूलनिवासी ग्राम बावली, हाल निवासी बड़ौत, विनय तोमर निवासी ग्राम बिजरौल व दीपक चौहान निवासी ग्राम खड़खड़ी को रविवार को गिरफ्तार किया।

पॉलिसी बंद होने वालों को करते थे कॉल

आरोपितों ने जानकारी दी कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर ऐसे लोगों को वाट्सएप काल करते थे जिनकी पालिसी किस्त जमा न होने की वजह से बंद हो चुकी है। पालिसी री-ओपन कराने, बोनस दिलाने और टैक्स में छूट कराने का झांसा देकर पालिसी के फर्जी अभिलेख तैयार कर पालिसी धारक के पास भेजते थे। इस तरह झांसे में लेकर लोगों से रुपये की आनलाइन ठगी करते थे।

विभिन्न राज्यों से मिली थीं शिकायतें

बैंक खातों से संबंधित एनसीआरपी पोर्टल पर अभी तक बागपत के अलावा विभिन्न राज्यों की 11 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें महाराष्ट्र से 2.24 करोड़ रुपये, बेंगलूरू से 1.25 लाख रुपये, तेलंगाना से 30.50 लाख रुपये, दिल्ली से 12 लाख रुपये, जम्मू कश्मीर से तीन लाख रुपये, बिहार से 5.62 लाख रुपये, मध्य प्रदेश से 4.51 लाख रुपये, हरियाणा से 7.27 लाख रुपये, हिमाचल प्रदेश से 52,738 रुपये की ठगी की शिकायतें शामिल हैं। पकड़े गए आरोपितों को अदालत में पेश किया। उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है। शौकीन सैफी का भाई मुर्सलीम समेत तीन आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है।

शौक पूरे करने को खर्च करते थे रुपये खर्च

कम समय में अधिक रुपये की चाहत ने आरोपित व्यक्तियों को साइबर अपराधी बना दिया। आरोपितों ने पुलिस पूछताछ में कई अहम जानकारी दी है। पुलिस के मुताबिक शौकीन सैफी पांचवीं उत्तीर्ण है और दिल्ली में वेल्डिंग का कार्य करता है। दीपक चौहान बीए करने के बाद एक प्राइवेट बैंक के खाते खुलवाता है। विनय तोमर बीएससी उत्तीर्ण है और दुकान करता है। सचिन बीए उत्तीर्ण है तथा नलकूप पर संविदा आपरेटर है। मुख्य आरोपित शौकीन सैफी का भाई मुर्रसलीम व एक अन्य हैं। पकड़े गए आरोपितों ने अपने बैंक खातों की डिटेल साथियों को उपलब्ध करा रखी है, जिनमें ठगी की रकम पहुंचती है। इसकी एवज में रकम का 10-20 प्रतिशत रुपये मिलते थे। आरोपित अपने शौक पूरे करने के लिए रुपये खर्च करते हैं।

मेले में 100 और 200 रुपए के नोट लेकर खरीदारी करने पहुंचा युवक, बस दो ही नोट बचे थे तभी दुकानदार ने बुला ली पुलिस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

थानाभवन/शामली। 100 और 200 रुपए के नकली नोट मेले में चलाते हुए एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया। आरोपित से पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार की रात थानाभवन नगर में चल रहे मेले में एक युवक को नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया गया है। नकली नोट चला रहा था। जिसे पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित युवक के पास से 200 व 100 रुपये के दो नोट नकली बरामद किए है।

पूछताछ में युवक ने अपना नाम असलम पुत्र फारूक निवासी सोंटा रसूलपुर बताया है। युवक ने बताया कि उसने यह पैसे गांव में स्थित एक जन सेवा केंद्र से निकलवाए थे। जिसके बाद वह मेले में पैसे लेकर आया था। मेले में खरीदारी करने के बाद उसके पास मात्र दो ही नोट बचे थे। जो नकली बरामद हुए हैं। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। खुफिया विभाग ने भी थाने पहुंचकर युवक से पूछताछ की।

पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य के खिलाफ एबीवीपी का धरना

कैराना। पब्लिक इंटर कॉलेज में पढ़ने वाले कक्षा 10 के तीन छात्रों को पीटने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। घटना से आक्रोशित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने प्रधानाचार्य के खिलाफ विद्यालय प्रांगण में धरना-प्रदर्शन करते हुए हंगामा किया। उन्होंने प्रधानाचार्य को निलंबित करने की मांग करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक व कालेज प्रबंधक को ज्ञापन दिया।

कॉलेज प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा

शुक्रवार को एबीवीपी के कार्यकर्ता पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संगठन के जिला संयोजक आकाश भारती के नेतृत्व में कैराना पहुंचे। कस्बे के मुख्य मार्ग पर स्थित पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रांगण में प्रधानाचार्य कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। सूचना पर कॉलेज प्रबंधक प्रेमचंद गर्ग कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे और मामले की जानकारी हासिल की। विद्यालय प्रबंधक द्वारा आवश्यक कार्रवाई के आश्वासन के बाद एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने करीब डेढ़ घंटे बाद धरना समाप्त किया। उन्होंने कॉलेज प्रबंधक को ज्ञापन-पत्र सौंपा।

आरोपों को बताया गलत

बताया कि कॉलेज प्रधानाचार्य ने विद्यालय में पढ़ने वाले कक्षा 10 के छात्र विष्णु, शाद व सूफियान की पिटाई की है, जबकि शिक्षा मंत्रालय से स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी शिक्षक किसी विद्यार्थी की पिटाई नहीं कर सकता है। इस तरह के कृत्यों से अभिभावक किसी शिक्षक के प्रति सम्मान अथवा विश्वास का भाव नहीं रख पाएंगे। ज्ञापन-पत्र की एक प्रति जिला विद्यालय निरीक्षक शामली को भी दी गई है। इस अवसर पर अनमोल मित्तल, अर्जुन, वैभव, वंश, सनी, विशाल, हिमांशु, रितिक आदि एबीवीपी कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं, प्रधानाचार्य राजेंद्र कुमार ने कहा कि कालेज की दीवार फांद कर बच्चे भाग रहे थे। दीवार की ऊंचाई अधिक है, जिससे रगड़ के निशान आ गए थे। पिटाई का आरोप गलत है।

आरआर कॉलेज की विजेता टीम को एमएलसी ने किया सम्मानित

हरदोई। भारत के प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाये जाने के अवसर पर आरआर कालेज में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सम्भाषण प्रतियोगिता में 'Vocal for Local' विषय पर प्रथम स्थान वेशव द्विवेदी ने प्राप्त दिया। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में रुद्र गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में अर्णव गुप्ता एवं वंश गुप्ता ने स्थान प्राप्त किया। मण्डल स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाली आरआर कालेज की क्रिकेट टीम की एमएलसी अशोक अग्रवाल एवं जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन की ओर से पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम का संयोजन भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अनुराग मिश्रा द्वारा किया गया। बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए एमएलसी अशोक अग्रवाल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश विश्व की 2027 तक तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

टैक्स चोरी के मामले में ईडी ने डिस्टलरी की 7 .31 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त की

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सहारनपुर। टैक्स चोरी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने टपरी गांव स्थित कोआपरेटिव कंपनी लि. (सीसीएल) डिस्टलरी की सात करोड़ 31 लाख रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। इस डिस्टलरी में मिलीभगत कर करोड़ों का राजस्व चोरी किया गया था। जब्त की गई भूमि सहारनपुर के ही युसुफपुर मुस्तकम गांव में है। ईडी इससे पहले 27 करोड़ 42 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क कर चुकी है।

एसटीएफ को वर्ष 2021 में टपरी स्थित सीसीएल डिस्टलरी में राजस्व चोरी करने की शिकायत मिली थी। एसटीएफ के छापे में संचालक और कर्मचारी फैक्ट्री से भाग निकले थे। इसके बाद फैक्ट्री के अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। जांच में पता चला था कि फैक्ट्री के अधिकारी, आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी की जा रही थी। इसमें कई ट्रांसपोर्टर भी मिले हुए थे। इसके बाद ही ईडी ने भी जांच शुरू की थी।

औद्योगिक इस्तेमाल की दी मंजूरी

डिस्टलरी की 3:35 हेक्टेयर की यह कृषि भूमि गांव यूसुफपुर मुस्तकम गांव में है। इसे औद्योगिक इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी गई थी। इसकी कीमत 7.31 करोड़ रुपये है। ईडी ने एसटीएफ की ओर से दर्ज दो एफआईआर के आधार पर इस मामले में जांच शुरू की थी। इस फैक्ट्री पर अवैध तरीके से शराब की बिक्री करने का आरोप है। इसमें फैक्ट्री सीसीएल के निदेशक व कर्मचारी नामजद हुए थे। इस खेल में सरकार को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हुआ था। अब तक 34 करोड़ 73 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है।

यह था मामला

कंपनी ने फर्जी बार कोड लगाकर फैक्ट्री में अवैध रूप से निर्मित शराब की आपूर्ति बाजार में की थी। इसके बाद पुलिस ने कंपनी के निदेशकों सहित इसमें शामिल कर्मचारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया था। ईडी ने पुलिस द्वारा दर्ज मामले को ही आधार बनाकर धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अपनी जांच शुरू की थी। 29 जुलाई 2021 को ईडी की टीमों ने कंपनी के प्रबंध निदेशक प्रणय अनेजा के दिल्ली स्थित आवास व ओखला इंडस्ट्रियल एरिया स्थित कंपनी के कॉरपोरेट आफिस सहित छह ठिकानों पर छापेमारी कर कई दस्तावेज और 11 लाख रुपये बरामद किए थे। ईडी की जांच में पता चला कि सीसीएल के अधिकारियों ने सीएल-2 गोदाम मालिकों के साथ मिलीभगत कर एक ही गेट पास पर अवैध रूप से निर्मित देशी शराब की आपूर्ति के लिए फर्जी बारकोड और क्यूआर कोड बनाने की साजिश की थी। साथ ही बिना किसी कागजी कार्रवाई के विभिन्न शराब की दुकानों को शराब की आपूर्ति की थी।

डीह प्रधान को हाइकोर्ट से राहत नहीं जाँच जारी रहेगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बल्दीराय/सुलतानपुर। तहसील क्षेत्र बल्दीराय की ग्राम पंचायत डीह के ग्राम प्रधान के खिलाफ शिकायत हुई थी, जाँच में दोषी पाए जाने पर डीएम ने उनके प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियों पर रोक लगा दी थी जिसके विरुद्ध प्रधान ने उच्च न्यायालय की शरण ली थी। प्रधान को वहां से कोई राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि उनके खिलाफ चल रही जाँच जारी रहेगी। डीह प्रधान के खिलाफ विकास कार्यों में गड़बड़ी कर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए गांव के राघवेंद्र प्रताप सिंह व सत्य प्रकाश सिंह ने जिलाधिकारी से शिकायत कर जाँच की मांग की थी। जाँच जिला कृषि अधिकारी सदानंद चैधरी द्वारा की गई थी। जिसमे हैण्ड पम्प रिबोर, शौचालय निर्माण, मनरेगा आदि कार्यों में वित्तीय अनियमितता पाई गई थी तथा प्रधान व सचिव दोषी पाए गए थे। जाँच रिपोर्ट पर जिला पंचायत राज अधिकारी की संस्तुति के बाद जिलाधिकारी ने बीते दस सितम्बर को ग्राम प्रधान ममता शुक्ला के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों पर रोक लगा दी थी। डीएम के आदेश के खिलाफ प्रधान ने उच्च न्यायालय की शरण ली थी।जहाँ बीते चैबीस सितम्बर को सुनवाई हुई। उसमे प्रधान को कोई राहत नहीं मिली है। आदेश के अनुसार प्रधान के विरुद्ध चल रही जाँच जारी रहेगी तथा प्रतिवादियों को नोटिस जारी की गई है कि वह अपना जबाब दाखिल करें। मामले में अगली सुनवाई की तिथि बाइस नवम्बर नियत की गई है।

सुंदरकांड पाठ से पठकाना रामलीला का हुआ शुभारंभ

शाहाबाद/ हरदोई। संगीतमय सुंदरकांड पाठ की सुन्दर पृष्ठभूमि से श्री रामलीला मेला का 88 में वर्ष का उद्घाटन सम्पन्न हो गया। सर्वप्रथम संगीतमय सुन्दरकांड पाठ हेतु शाहजहाँपुर से मंच पर पधारे अश्वनी शुक्ला सहित भक्तदल ने हनुमान प्रतिमा पर डॉ0 दीपक मिश्रा के कर कमलों से पूजन अर्चन कराने में पूर्ण विधि विधान का पूरा ध्यान रखा। पूजन अर्चन में समिति अध्यक्ष संजय मिश्रा बबलू समेत महामंत्री अनमोल गुप्ता, रामनाथ त्रिपाठी, ऋषि मिश्रा, आशीष मोहन तिवारी, पुष्पेंद्र मिश्रा, मनोविनोद अवस्थी, अरुण अग्निहोत्री, मुकेश अवस्थी सहित मीडिया प्रभारी ओमदेव दीक्षित आदि बहुत से सहयोगीगण उपस्थित रहे। सभी ने सांगितमय सुन्दरकांड पाठ के तदुपरान्त एक साथ हनुमान जी की आरती की और इसी के साथ रामलीला के प्रथम दिवस के कार्यक्रम के समापन की घोषणा कर दी गई।

नहरों से निकाली गयी सिल्ट का डिस्पोजल ठीक ढंग से किया जाए: स्वतंत्र देव सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिल्ट सफाई के कार्य निर्धारित विभागीय मापदण्डों के अनुसार हो, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाए, नहरों की सिल्ट सफाई के कार्यों की गुणवत्ता एवं कार्यों में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु मुख्यालय स्तर से गठित विभागीय समितियों एवं उच्चाधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण किया जाए। किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने यह निर्देश आज यहाँ उदयगंज स्थित सिंचाई एवं जलसंसाधन विभाग के मुख्यालय स्थित सभागार में नहरों के सिल्ट सफाई के संबंध में मुख्य अभियंताओं के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि नहरों की सिल्ट सफाई झंडी के साथ लाइन डोरी लगाकर इस प्रकार की जाये कि नहर का संरेखण एवं घुमाव स्थापित रहे। पुलों के नीचे जमा सिल्ट भी विशेष ध्यान देकर साफ कराई जाए। स्वतंत्र देव सिंह ने निर्देश दिया कि नहरों से निकाली गयी सिल्ट का डिस्पोजल ठीक ढंग से किया जाए। नहर के आंतरिक भाग में सिल्ट न छोड़ी जाये, उसका संतोषजनक डिस्पोजल किया जाए, नहरों से निकाली गयी सिल्ट का उचित डिस्पोजल सुनिश्चित करने के लिये अल्पिकाओं हेतु अवर अभियन्ता एवं राजवाहों हेतु सहायक अभियन्ता व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगें तथा वे अपनी प्रत्येक माइनरध्राजवाहा को निरीक्षण कर सिल्ट के समुचित डिस्पोजल कर दिये जाने का प्रमाण-पत्र भी उपलब्ध करायेगें।

जलशक्ति मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी कार्यों को पारदर्शी ढंग से कराते हुए सिल्ट सफाई के कार्य का समुचित अभिलेखीकरण भी कराया जाए। कार्य प्रारम्भ से पूर्व, कार्य के दौरान तथा कार्य के पश्चात फोटोग्राफी इस प्रकार की जाये कि स्थल की जियोटैगिंग हो जाये तथा फोटोग्राफ में अक्षांशध्देशान्तर के साथ नहर का नाम एवं जनपद का नाम अवश्य अंकित किया जाये। किये गये कार्यों का ड्रोन से वीडियोग्राफी कराकर इस प्रकार वीडियो बनायी जाये कि कार्य के पूर्व में एवं कार्य के पश्चात दोनों स्थितियां साथ-साथ प्रदर्शित हों। बाद में नहर चलते हुए भी नहर के हेड का तथा टेल का फोटोग्राफ लेकर के रखा जाये, जिससे कराये गये कार्य का अंतिम परिणाम भी प्रदर्शित हो सके। स्वतंत्र देव सिंह ने निर्देश दिए कि नहरों की सिल्ट सफाईध्स्क्रैपिंग कराने के लिये नहरों की सूची बनाई जाये जिसमें जनपद, विकासखण्ड एवं विधानसभा का नाम हो, जिसमें नहर के आन्तरिक सेक्शन में करायी जाने वाली सिल्ट सफाई की लम्बाईध्स्क्रैपिंग की लम्बाई दी गई हो। नहरों के हेड पर या समीचीन स्थान (जहाँ लोगों का आवागमन हो) पर एक बोर्ड लगाया जायेगा, जिस पर खण्ड का नाम, नहर का नाम, सिल्ट सफाई की रींच, धनराशि सहायक अभियंता, अवर अभियंता एवं ठेकेदार का नाम व मोबाइल नं० अंकित किया जाय। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग अनिल गर्ग, प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्ष अखिलेश सचान, प्रमुख अभियंता परिकल्प एवं नियोजन संदीप कुमार सहित विभिन्न संगठनों के मुख्य अभियंता एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने यूपी आईटीएस 2024 में जीता सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्टैंड का खिताब

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग को यूपी आईटीएस 2024 में ''सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्टैंड'' के लिए सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार विभाग द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट तकनीकी नवाचार, डिजिटल उत्तर प्रदेश की प्रगति, और प्रदेश में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करता है।

यह सम्मान विभाग के प्रख्यात नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन में प्राप्त किया गया है। विभाग के प्रमुख सचिव, अनिल कुमार सागर के सक्षम नेतृत्व में विभाग ने डिजिटल यूपी के लक्ष्य को साकार करने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। उनके नेतृत्व में राज्य ने आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों और नीतियों का सफल कार्यान्वयन किया है, जिससे उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने कहा, ''उत्तर प्रदेश को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में हमारी यात्रा लगातार जारी है, और यह सम्मान हमें और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेगा।'' उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी निष्ठा और प्रतिबद्धता के बिना यह संभव नहीं हो पाता। विशेष सचिव रवि रंजन ने कहा, ''हमारा उद्देश्य केवल तकनीकी क्षेत्र में उन्नति नहीं है, बल्कि हम एक समावेशी डिजिटल समाज का निर्माण करना चाहते हैं, जहां तकनीक हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाए''। उत्तर प्रदेश सरकार की डिजिटल इंडिया मिशन, स्टार्ट अप पॉलिसी और ई-गवर्नेंस जैसी प्रमुख योजनाओं के तहत, इस प्रदर्शनी में विभाग ने राज्य में तकनीकी विकास और सुशासन के लिए की गई पहल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस पुरस्कार के साथ, उत्तर प्रदेश का आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान और सुदृढ़ कर रहा है। विभाग ने भविष्य में भी इसी समर्पण और नवाचार के साथ काम करने का संकल्प लिया है।

भाजपा लोकतंत्र विरोधी कार्य कर रही: अखिलेश यादव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र विरोधी कार्य कर रही है। कोई भी चुनाव निष्पक्ष नहीं होने देना चाहती है। बेईमानी करके सभी पदों पर कब्जा करना चाहती है। इन दिनों गन्ना समितियों के चुनाव में भी भाजपा समर्थक सत्ता के संरक्षण में अराजकता पर उतारू हैं।

लखीमपुर खीरी, बरेली, हापुड़, मेरठ, मुरादाबाद समेत अन्य जिलों में सत्ता संरक्षित भाजपाई बेईमानी और गुण्डई करके अपने राजनीतिक विरोधियों को परेशान कर रहे है। अधिकारियों पर दबाव बनाकर जबरदस्ती पर्चे खारिज करा रहे हैं। ये सब निष्पक्ष चुनाव नहीं होने देना चाहते है। भाजपाई अराजकता और गुण्डई के खिलाफ कई जिलों में किसान धरना देकर विरोध कर रहे हैं। सत्ता के मद में चूर भाजपा प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग करके चुनावों को प्रभावित कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि जबसे प्रदेश में भाजपा सरकार आयी है वह हर चुनाव में धांधली कर रही है। भाजपा ने इस लोकसभा चुनाव में भी कई सीटों पर बेईमानी की। 2022 के विधानसभा चुनाव में जनता ने समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए वोट दिया लेकिन भाजपा ने बेईमानी और धांधली से परिणाम प्रभावित किया। लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में भी भाजपा सरकार ने पुलिस प्रशासन के बल पर साा का जिस तरह से दुरूपयोग किया था यह सभी ने देखा था। मतदाताओं को मारा-पीटा गया था और वोट नहीं डालने दिया गया था। यह काम भाजपा हर चुनाव में कर रही है।

ब्लाक प्रमुख, जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता का दुरूपयोग करके लोकतंत्र को शर्मसार किया था। लोकसभा चुनाव में हार से बौखलाई भाजपा सरकार प्रदेश में संभावित उपचुनाव में भी लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ करने पर अमादा है। उपचुनाव वाले क्षेत्रों में जाति-धर्म के आधार पर बीएलओ हटाए और तैनात किये जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा बन गयी है। जनता भाजपा के लोकतंत्र और संविधान विरोधी कार्यों से बेहद नाराज और गुस्से में है। आने वाले चुनाव में भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल है। प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं है। हर दिन हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं हो रही है। इस सरकार में राजधानी लखनऊ में भी लोग सुरक्षित नहीं है। लखनऊ में रिटायर्ड आईएएस के साथ लूट हो गयी। सरकार का दावा रात में बेखौफ निकलने का था लेकिन लोग दिन में लुट जा रहे है।

प्रदेश में महिलाएं, बच्चियां सुरक्षित नहीं है। देश में सबसे ज्यादा महिला अपराध की घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही हैं। भाजपा सरकार का कानून व्यवस्था और महिला अपराध पर जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है।

गो-संरक्षण के लिए योगी सरकार का बड़ा कदम, कब्जा मुक्त हुई 27 हजार हेक्टेयर से अधिक गोचर भूमि

सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेशभर में चलाया गया विशेष अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में गो-संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए योगी सरकार ने हजारों हेक्टेयर गोचर भूमि को अवैध कब्जाधारियों से मुक्त करा लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश के बाद राजस्व विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर अवैध कब्जाधारियों से कुल 27 हजार हेक्टेयर से अधिक गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया है।

इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के 12 जिलों में 100 फीसदी गोचर भूमि अब कब्जामुक्त हो चुकी हैं। वहीं अन्य जिलों में भी तेजी से अभियान को आगे बढ़ाने के निर्देश मुख्यमंत्री की ओर से दिये गये हैं। सबसे अधिक अयोध्या में 2 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि पर अवैध कब्जाधारियों ने अतिक्रमण कर रखा था, जिसे मुक्त कराया गया है।

राजस्व विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार अयोध्या के अलावा आगरा, फिरोजाबाद, कासगंज, बाराबंकी, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर, चित्रकूट, श्रावस्ती, रामपुर, गाजीपुर और वाराणसी में 27 हजार 688 हेक्टेयर से अधिक भूमि को कब्जामुक्त कराया गया।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जिलों के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामवार गोचर भूमि की सूची तैयार की जाए। बारिश के उपरांत गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने का व्यापक अभियान चलाया जाये। अतिक्रमण से मुक्त होने के उपरांत भूमि को पशुपालन विभाग द्वारा उपयोग में लिया जाए।

सीएम योगी ने यह भी निर्देश दिये हैं कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में निराश्रित गोवंश का वास्तविक आंकलन करें और गो-आश्रय स्थलों में अतिरिक्त शेड का निर्माण करें। गोआश्रय स्थलों की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था हो, कहीं पर भी कीचड़ और जल भराव की स्थिति उत्पन्न न हो। सभी आश्रय स्थलों में भूसा, हरा चारा, पानी आदि की समुचित व्यवस्था होनी चाहिये। मृत गोवंश को ससम्मान एवं ठीक विधि से दफनाने की व्यवस्था हो।

एलटी एसो. लखनऊ शाखा के छठी बार अध्यक्ष चुने गए महेश प्रसाद

लखनऊ। यू पी लैब टेक्नीशियन एसोसिएशन लखनऊ शाखा का द्विवार्षिक अधिवेशन और चुनाव बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी के सभागार में शनिवार को हुआ। मुख्य चुनाव अधिकारी डीपीए लखनऊ शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष कपिल वर्मा, सहायक चुनाव अधिकारी चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ उप्र. के प्रदेश सचिव सर्वेश पाटिल की देखरेख में हुआ। यूपी एलटी एसो. लखनऊ शाखा के अध्यक्ष महेश प्रसाद और मंत्री पद पर संतोष जौहरी लगातार छठी बार निर्विरोध चुने गए। मुख्य चुनाव अधिकारी कपिल वर्मा ने बताया कि अध्यक्ष, मंत्री के अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशुतोष अवस्थी, कोषाध्यक्ष अनीता सिंह, संयुक्त सचिव विजय गुप्ता, संप्रेक्षक नरेंद्र कुमार भी निर्विरोध चुने गए। इस द्विवार्षिक अधिवेशन में यूपी प्रयोगशाला प्राविधिक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश रावत, नीरू सिंह आदि रहे।

3 दिन में 1.75 लाख से ज्यादा विजिटर्स बने यूपीआईटीएस 2024 का हिस्सा

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में हर दिन बढ़ रही प्रतिभागियों की संख्या

» शुरुआती तीन दिनों में 50 हजार से ज्यादा बी2बी विजिटर्स हुए शामिल

» 25 से 27 सितंबर के बीच 1.25 लाख बी2सी विजिटर्स ने किया प्रतिभाग

5 दिन में कई गुना बढ़ सकती है संख्या

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पूरे प्रदेश के उत्पादों को एक ग्लोबल लेवल का प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है, जहां दुनिया भर के बायर्स न सिर्फ उन्हें देख सकें बल्कि उसकी ग्लोबल लेवल पर मार्केटिंग भी कर सकें। पहले संस्करण में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप 70 हजार बी2बी विजिटर्स ने एक्सपो का दौरा किया था, जबकि 2.37 लाख बी2सी विजिटर्स भी वहां पहुंचे थे। इसी क्रम में दूसरे संस्करण में भी बड़ी संख्या में लोग इंटरनेशनल ट्रेड शो में हिस्सा ले रहे हैं। आयोजकों के अनुसार, शुरुआती तीन दिनों में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही है। कुल मिलाकर इन तीन दिनों में 1,75,283 विजिटर्स ने यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह संख्या 5 दिन तक चलने वाले आयोजन में कई गुना बढ़ सकती है।

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के उद्यमियों और उनके उत्पादों को ग्लोबल पहचान दिलाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। जैसी उम्मीद थी, पहले संस्करण की सफलता के बाद दूसरा संस्करण भी सफल आयोजन की ओर बढ़ चला है। तीन दिन के आयोजन में ही 1.75 लाख से ज्यादा लोगों की आमद इसका सटीक उदाहरण है। 25 सितंबर से लेकर 27 सितंबर तक तीन दिनों के अंदर 50 हजार से ज्यादा बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) विजिटर्स करीब 1.25 लाख बिजनेस टू कंज्यूमर्स (बी2सी) ने एक्सपो का दौरा किया है। उल्लेखनीय है कि ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में कुल 15 हॉल्स में इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 2550 एग्जिबिटर्स हिस्सा ले रहे हैं।

हर दिन बढ़ रहे विजिटर्स

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 25 सितंबर से शुरू हुए इस मेगा इवेंट के पहले दिन 14,222 बिजनेस टू बिजनेस (बीटूबी) विजिटर्स इंडिया एक्सपो मार्ट पहुंचे, जबकि 25,589 बीटूसी विजिटर्स ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस तरह पहले दिन ही ट्रेड शो में कुल 40,811 लोगों की भागीदारी रही। इसी तरह, दूसरे दिन 26 सितंबर को 16,385 बी2बी और 46,552 बी2सी विजिटर्स समेत कुल 62,937 विजिटर्स सम्मिलित हुए। इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे दिन यानी शुक्रवार को 20,210 बी2बी और 51,335 बी2सी समेत कुल मिलाकर 71,545 विजिटर्स ने प्रतिभाग किया। खास बात ये है कि प्रतिदिन विजिटर्स की संख्या में वृद्धि हुई है और अंतिम दो दिन इसमें और अधिक इजाफा होने की संभावना है।

सोशल मीडिया पर भी छाया यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो

यूपी इंटरनेशनल शो की लोकप्रियता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी देखने को मिल रही है। इस मेगा इवेंट को प्रचारित करने के लिए विभिन्न हैशटैग चलाए गए, जिन्होंने बीते 179 दिनों में करोड़ों लोगों तक अपनी पहुंच बनाई। #UPITS2024 की सोशल मीडिया रीच 179 दिन में 32 मिलियन (3.20 करोड़) तक रही। वहीं, #UPInternationalTradeShow की सोशल मीडिया रीच 27 मिलियन (2.7 करोड़), #Upinternationaltradeshow 2024 की 4.8 मिलियन (48 लाख), #UPITS की 71.9 हजार और #GlobalBizHubUP की 65.9 हजार सोशल मीडिया रीच रही है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024 में आम से लेकर खास लोगों का पहुंचना जारी है। इसी क्रम में शनिवार को पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने भी वेन्यू का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) के पवेलियन का भी भ्रमण किया। प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्हें प्राधिकरण की योजनाओं (मेडिकल डिवाइसेज पार्क, टॉय पार्क, अपैरल पार्क) की प्रगति से अवगत कराया गया। साथ ही साथ, प्राधिकरण द्वारा नई प्रस्तावित योजनाओं (सेमी कंडक्टर पार्क, आईटी व सॉफ्टवेयर पार्क, फिनटेक सिटी, हेरिटेज सिटी, मिक्स्ड लण्ड यूज, एजुकेशन हब आदि) के संबंध में भी जानकारी दी गई। दुर्गा शंकर मिश्र ने यीडा द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा भविष्य की योजनाओं के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

'ग्राम चैपालों में 04 लाख 13 हजार से अधिक समस्याओं-प्रकरणों का किया गया निस्तारण'

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चैपाल,(गांव की समस्या-गांव में समाधान)का आयोजन किया जा रहा है,और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चैपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चैपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चैपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

नोएडा की सुधरेगी कनेक्टिविटी, 'कॉमप्रिहेंसिव रीजनल ट्रांसपोर्ट प्लान' तैयार कराएगी योगी सरकार

दिल्ली, फरीदाबाद, गुरुग्राम व हरियाणा के उत्तर प्रदेश से लगते इलाकों में व्यापक कनेक्टिविटी का मार्ग होगा प्रशस्त

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा/लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के प्रतिबद्ध योगी सरकार नोएडा समेत एनसीआर के समीप पड़ने वाले क्षेत्रों में कनेक्टिविटी सुधारने के लिए कॉमप्रिहेंसिव रीजनल ट्रांसपोर्ट प्लान तैयार कराने जा रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार नवीन ओखला विकास प्राधिकरण द्वारा परियोजना पर काम किया जा रहा है। परियोजना के अनुसार, प्लान तैयार होने के बाद नोएडा, यीडा व ग्रेटर नोएडा के अतिरिक्त गाजियाबाद, दादरी, बुलंदशहर और हापुड़ को भी बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। वहीं, दिल्ली, फरीदाबाद, गुरुग्राम व हरियाणा के उत्तर प्रदेश से लगते इलाकों में व्यापक कनेक्टिविटी का मार्ग भी इस 'कॉमप्रिहेंसिव रीजनल ट्रांसपोर्ट प्लान व स्ट्रैटेजी' के निर्माण से प्रशस्त होगा। उल्लेखनीय है कि परियोजना के अंतर्गत सभी अर्बन रीजन में आमजन के ट्रांसपोर्टेशन मीडियम के साथ फ्रेट व लॉजिस्टिक्ट्स मूलमेंट समेत जेवर एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी जैसे विषयों को लेकर भी कॉमप्रिहेंसिव प्लान तैयार किया जाएगा।

टेक्निकल फिजबिलिटी रिपोर्ट समेत कई प्लान का होगा निर्माण

परियोजना के अंतर्गत नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन (एईएल) से नॉलेज पार्क-II (ग्रेटर नोएडा) तक मेट्रो कॉरिडोर के विस्तार के लिए तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट (डीएमआरसी द्वारा) तैयार की जाएगी। इसके साथ ही, नॉलेज पार्क-II (ग्रेटर नोएडा) से नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक मेट्रो कॉरिडोर के लिए डीपीआर (डीएमआरसी द्वारा) तैयार की जाएगी। वहीं, हाईस्पीड रेल लिंक (एनएचएसआरसीएल) के विकास और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट टर्मिनल पर इसके स्टॉप के लिए अध्ययन की प्रक्रिया को भी पूरा किया जाएगा।

पर्सनल रैपिड ट्रांजिट के लिए होगा अध्ययन

सीएम योगी के विजन अनुसार, निर्माणाधीन फिल्म सिटी और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच पर्सनल रैपिड ट्रांजिट के लिए अध्ययन की प्रक्रिया को भी परियोजना के अंतर्गत पूरा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (यीडा में इंटरचेंज) का विकास, एनएच-91 (एनएचएआई द्वारा) का प्रस्तावित विकास तथा खुर्जा और जेवर के बीच लिंक रोड के निर्माण का खाका भी नोएडा प्राधिकरण द्वारा बनाई जा रही 'कॉमप्रिहेंसिव रीजनल ट्रांसपोर्ट प्लान' तैयार होगा। वहीं, क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस), लाइट रेल ट्रांजिट (एलआरटी), ऑर्बिटल रेल परियोजना, मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी), और क्षेत्र के भीतर विभिन्न लॉजिस्टिक्स परियोजनाएँ को गति देने की प्रक्रिया का भी निर्धारण होगा।

पचास वर्षों की जरूरतों के हिसाब से तैयार होगी स्ट्रैटेजी

इस कार्य को पूरा करने के लिए प्राधिकरण द्वारा सलाहकारों की टीम का चयन किया जाएगा। इस कॉमप्रिहेंसिव प्लान को भारत सरकार की आवास व शहरी मंत्रालय क गाइडलाइंस के अनुरूप तैयार किया जाएगा। सभी अर्बन क्षेत्रों में स्मार्ट ट्रैफिक सॉल्यूशन उपलब्ध कराने, इन क्षेत्रों के इकॉनमिक डेवलपमेंट व निवेश के अवसर तलाशने और अगले पचास वर्षों की भविष्यगामी जरूरतों को देखते हुए परिवहन सेवाओं के विकास को लेकर स्ट्रैटेजी तैयार की जाएगी। इन क्षेत्रों में इंटरमीडिएट पब्लिक ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था को प्रगति देने का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रोजेक्ट प्रवीण से 1 लाख विद्यार्थियों को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार ने छात्रों में कौशल विकास को निखारने और युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु 'प्रोजेक्ट प्रवीण' कार्यक्रम के तहत इस साल 1 लाख विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। शैक्षिक सत्र 2024-25 में इस योजना का विस्तार करते हुए इसे प्रदेश भर के चयनित माध्यमिक विद्यालयों में लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट प्रवीण न केवल प्रदेश के युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में भी सक्षम बना रहा है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें प्रदेश के विकास में सहयोगी बनाना है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संकल्पना के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण को औपचारिक शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट प्रवीण के अन्तर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण की सुविधा उनके नियमित पाठ्यक्रम के साथ उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक 315 राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत 63,000 से अधिक छात्रध्छात्राओं को कौशल प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को प्रतिदिन 90 मिनट की अवधि का अल्पकालिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावसायिक कौशलों से सुसज्जित करना है, ताकि वे रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। प्रोजेक्ट प्रवीण की शुरुआत वर्ष 2022-23 में की गई थी, और इसकी सफलता को देखते हुए इसे नए वित्तीय वर्ष 2024-25 में और विस्तारित किया जा रहा है। कौशल विकास मिशन निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के सहयोग से प्रदेश के विभिन्न जिलों के चयनित विद्यालयों में यह कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इस संबंध में सभी जिलों के समन्वयकों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक विद्यालय में अधिकतम दो अलग-अलग जॉब रोल का चयन किया जाएगा। हर बैच में 35 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा और विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर एक या दो जॉब रोल का चयन किया जा सकता है।

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इनस्टिटयूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। "एशिया पावर इंडेक्स 2024" नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है।

उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर "क्वाड" के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनो की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ौसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ोसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं।

राहुल ने राजनीति को जनतांत्रिक बना दिया

आज करनाल के बच्चे देव और उसके आंसुओं का जिक्र हर व्यक्ति की जुबान पर है। देश का हर जागरुक व्यक्ति राहुल गांधी के भाषण की प्रशंसा कर रहा है। बहुत शालीन किंतु गंभीरता से राहुल गांधी लगातार देश के बुनियादी मुद्दों को उठा रहे हैं।

प्रो. रविकांत

पिछले एक दशक से राजनीति और सत्ता में संवेदनशीलता का लोप हो गया है। सत्ता में हिंदुत्व का वर्चस्व स्थापित है। सरकारी तंत्र नागरिकों के प्रति जिम्मेदार नहीं, बल्कि प्रजा को आज्ञापालक बनाकर रखना चाहता है। लोगों के हित और कल्याण के बदले सत्ताधारियों का महिमामंडन होने लगा। लोकतंत्र जैसे राजतंत्र में तब्दील हो गया।

'मेरा अंतिम लक्ष्य प्रत्येक आंख से आंसू पोंछना है।

- महात्मा गांधी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 26 सितंबर को हरियाणा में असंध और बरवाला में दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया। राहुल गांधी ने अपने भाषण में करनाल जिले के 8-10 साल के बच्चे देव के आंसुओं का बार-बार जिक्र किया। वह अपने पिता से मिलने के लिए बेताब है। लेकिन उसके पिता अमित मान अभी घर वापस नहीं आ सकते। राहुल गांधी ने कहा, 'मैं देव के आंखों से आंसू पोंछना चाहता हूं। उसके होठों पर खुशी देखना चाहता हूं। उसके पिता को भारत बुलाना चाहता हूं। मैं एक ऐसा हरियाणा चाहता हूं, जहां अवैध तरीके से कोई नौजवान नौकरी के लिए विदेश जाने के लिए मजबूर ना हो। राहुल गांधी के भाषण ने पूरे देश को द्रवीभूत कर दिया है। आज करनाल के बच्चे देव और उसके आंसुओं का जिक्र हर व्यक्ति की जुबान पर है। देश का हर जागरुक व्यक्ति राहुल गांधी के भाषण की प्रशंसा कर रहा है। बहुत शालीन किंतु गंभीरता से राहुल गांधी लगातार देश के बुनियादी मुद्दों को उठा रहे हैं। देव का जिक्र करते हुए खुद राहुल गांधी की आंखों में आंसू छलक आते हैं। ये आंसू नाटकीय भंगिमा के लिए जबरन नहीं पैदा किए गए। बल्कि एक पिता और पुत्र के बिछोह से उपजे हैं। राहुल गांधी ने अपनी युवावस्था के दहलीज पर ही अपने पिता को हमेशा के लिए खो दिया था। राहुल गांधी के छलकते हुए आंसुओं में पिता के अहसास की गर्माहट और उनको खोने की पीड़ा मौजूद थी।

राहुल गांधी ने शीर्ष पद पर पहुंचे बिना भारत की राजनीति को सृजनात्मक जीवन मूल्यों से संवारा है। उन्होंने राजनीति को संवेदनशील बनाया है। सत्ता के लिए नफरत और विभाजन की राजनीति से दूर राहुल गांधी मनुष्यता को पोषित करने वाली राजनीति कर रहे हैं। दो-तीन साल पहले जहां लोगों को राजनीति से ऊब और चिढ़ होने लगी थी, राहुल ने प्रेम और सौहार्द्र का संदेश देकर राजनीति के प्रति लोगों का रुझान बदल दिया है। राहुल गांधी कभी प्रधानमंत्री बनें या ना बनें, उन्होंने भारत की राजनीति में एक नया प्रतिमान स्थापित कर दिया है, जिसकी चर्चा लंबे समय तक होती रहेगी।

इसकी शुरुआत भारत जोड़ो यात्रा से हुई। कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल चलते हुए राहुल गांधी ने बच्चों को कंधों पर बिठाया, बुजुर्गों को सीने से लगाया, नौजवानों को हौसला दिया, महिलाओं को सम्मान दिया, दलितों को सामाजिक न्याय का संकल्प दिया, आदिवासियों को इस देश का पहला मालिक कहकर पुकारा, पिछड़ों की भागीदारी के लिए जाति जनगणना की मांग की। राहुल गांधी ने इस यात्रा के जरिए देश में व्याप्त नफरत और हिंसा के भय को दूर करने में कामयाबी हासिल की। किसानों और नौजवानों की नई उम्मीद बनकर राहुल गांधी खड़े हो गए। मुसलमानों और ईसाइयों के लगातार दरक रहे भरोसे को राहुल गांधी ने मजबूत किया। उन्होंने देश की राजनीति में 'भारत के विचार' को बिखरने से बचाया।

'एक अकेला सब पर भारी' और '56 इंच की छाती' की मुनादी करते हुए नरेंद्र मोदी ने अपने इर्दगिर्द एक औरा बना लिया था। इसमें सत्ता का गुरुर तो था ही विपक्ष को अप्रासंगिक बना देने की हनक भी थी। नरेंद्र मोदी का यह अहंकार देश के लोगों पर बहुत भारी पड़ गया। नोटबंदी और कोरोना काल की तालाबंदी के समय लोगों को भेड़-बकरियों की तरह हांक दिया गया। सैकड़ों लोग मर- खप गए। लेकिन मोदी ने उफ्फ तक नहीं की। किसानों की मौत पर जश्न मनाने वाले सत्तातंत्र के सामने आज राहुल गांधी के एक बच्चे के आंसुओं का जिक्र करना बहुत मायने रखता है। राहुल गांधी ने अपने भाषण में देव के दर्द को बयां करते हुए भारत में बेरोजगारी की भयावहता को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। करनाल से निकलकर अमित मान और उसके जैसे हजारों नौजवान डंकी बनकर अमेरिका और यूरोप के देशों में काम की तलाश में पहुंचे।

राहुल गांधी ने अमित मान की उस यातना भरी यात्रा का भी जिक्र किया। पश्चिम एशिया से होते हुए दक्षिण अमेरिका के जंगलों और समुद्र को पार करके माफिया से लुटते-पिटते हुए दर्जनों भारतीय नौजवान अमेरिका पहुंचे। अमित मान 10 साल तक अपने वतन वापस नहीं लौट सकता। बूढ़े मां-बाप, पत्नी और बच्चे रोज उसकी राह देखते हैं! देव को लगता है कि उसके पिता अब वापस नहीं आयेंगे। अब वह उनसे नहीं मिल पाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस ऐसा हरियाणा चाहती है, जहां बेरोजगार नौजवानों को अपने देश में ही रोजगार मिले। दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर उन्मुख कथित विश्वगुरु भारत में इतनी बेरोजगारी क्यों है? राहुल गांधी ने मोदी और उनके कॉर्पोरेट मित्रों पर बड़ा हमला करते हुए कहा, मोदी ने अदानी को पोर्ट, एयरपोर्ट सब कुछ बेच दिया। अडानी और अंबानी का कारोबार चीनी कंपनियों के साथ है।

अडानी चीन से सामान मंगाकर, उस पर अपना लेबल चस्पाकर बेचता है। सामान चीन बना रहा है। रोजगार चीन में सृजित हो रहा है। मुनाफा अदानी कमा रहा है और भारत के नौजवान डंकी बनकर दूसरे देशों में जाकर नौकरी करने के लिए मजबूर हैं। सेना और पुलिस की सेवा करने का ख्वाब संजोने वाले हरियाणा के नौजवानों के सामने निपट अंधेरा है। उनके सपनों को मोदी ने छीन लिया। बूढ़े मां-बाप और बच्चों की आंखों को आंसू दिए और पत्नी को लंबा इंतजार। राहुल गांधी का यह भाषण जितना स्वाभाविक था, उतना ही प्रभावशाली भी।

पिछले एक दशक से राजनीति और सत्ता में संवेदनशीलता का लोप हो गया है। सत्ता में हिंदुत्व का वर्चस्व स्थापित है। सरकारी तंत्र नागरिकों के प्रति जिम्मेदार नहीं, बल्कि प्रजा को आज्ञापालक बनाकर रखना चाहता है। लोगों के हित और कल्याण के बदले सत्ताधारियों का महिमामंडन होने लगा। लोकतंत्र जैसे राजतंत्र में तब्दील हो गया। लोगों के लिए बनाई गईं नीतियां और काम राजा की कृपादृष्टि हो गए। इसीलिए कोरोना वैक्सीन हो या 5 किलो राशन, इसके लिए थैंक यू मोदी जी बोलना पड़ता है। राहुल गांधी ने राजतंत्रात्मक राजनीति को जनतांत्रिक बना दिया है।

अजब-गजब

बीमार होने के बाद भी Boss ने नहीं दी छुट्टी, महिला कर्मचारी ने ऑफिस में ही तोड़ा दम!

ऑफिस में काम के दौरान 30 वर्षीय एक महिला की मौत ने सोशल मीडिया पर कॉर्पोरेट वर्कर्स और वर्क लाइफ बैलेंस को लेकर एक बार फिर नई बहस छेड़ दी है। चौंकाने वाला यह मामला थाईलैंड के एक इलेक्ट्रॉनिक्स प्लांट का है। जहां महिला कर्मचारी की ऑन ड्यूटी मौत हो जाती है। बताया जा रहा है कि महिला ने अपने बॉस से सिक लीव मांगी थी, लेकिन रिजेक्ट होने के बाद उसे न चाहते हुए भी काम पर जाना पड़ा और फिर जो हुआ, उसकी अब पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है।

बैंकॉक पोस्ट के अनुसार, मे नाम की महिला को आंतों में सूजन की समस्या थी। वह 5 से 9 सितबंर तक सिक लीव पर थी। इस दौरान अस्पताल में उसका इलाज चल रहा था। लेकिन तबीयत ठीक नहीं होने पर उसने दो दिन की और छुट्टी ले ली। हालांकि, इसके बाद भी जब महिला को आराम नहीं मिला, तो उसने बॉस से सिक लीव बढ़ाने का अनुरोध किया।

लेकिन बॉस ने अब छुट्टी की मांग पर महिला से नया मेडिकल सर्टिफिकेट जमा करने को कह दिया। उसका कहना था कि वह पहले ही काफी छुट्टियां ले चुकी थी। ऐसे में उसे अब लीव नहीं मिल सकती। रिपोर्ट के अनुसार, यह सुनकर महिला सदमे में आ गई और जॉब गंवाने के डर से दूसरे दिन ऑफिस पहुंच गई।

महिला के साथी वर्कर्स का कहना है कि 20 मिनट तक ड्यूटी करने के बाद ही वो बेहोश हो गई। जिसके बाद आननफानन में महिला को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला के दोस्तों का कहना है कि मे ने कभी भी बिना वजह छुट्टी नहीं ली थी। लेकिन जब उसे जरूरत पड़ी, तो मिल नहीं।

वहीं, इस मामले पर डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स ने फेसबुक पर एक बयान जारी कर कहा कि वो इस घटना की जांच करेगी। उसे कर्मचारी की मौत का बेहद दुख है। कंपनी ने कहा, फिलहाल हमारी प्राथमिकता कर्मचारी के परिवार के साथ खड़े होकर उन्हें सपोर्ट करना है। हालांकि, इन तमाम बयानों के बाद भी सोशल मीडिया पर कंपनी की जमकर आलोचना हो रही है। लोग गंभीर हालत में भी कर्मचारी को छुट्टी न देने पर कंपनी को जमकर खरी-खोटी सुना रहे हैं।

ब्लॉग

सतपुड़ा के बदलते गांव और किसानी

बाबा मायाराम

आजकल की शहरी चमक-दमक और तामझाम की दुनिया में हमारे गांव और खेती-किसानी की बातें पीछे छूट गई हैं। लेकिन मैं तो गांव का हूं, और जहां भी जाता हूं, वह साथ रहता है। असल में हम जहां खड़े होते हैं, वहीं से देश-दुनिया को देखते हैं, वही हमारा नजरिया बन जाता है। इस लिहाज गांव महत्वपूर्ण है। आज के इस कॉलम में गांवके अनुभव साझा करना चाहूंगा, जिससे हमें पुराने गांवों की झलक मिल सके, जो अब काफी बदल गए हैं।

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद (अब नर्मदापुरम) जिले में मेरा गांव है। इस गांव में रहकर ही मैंने हाईस्कूल तक की शिक्षा पूरी की। प्राथमिक स्कूल गांव में था। माध्यमिक स्कूल ढाई किलोमीटर और हाईस्कूल 7 किलोमीटर दूर था। माध्यमिक स्कूल पैदल जाता था और हाईस्कूल जाने के लिए साइकिल थी।

यह चार दशक पुरानी बात है। उस समय न तो गांवों में ज्यादा मोटर साइकिलें हुआ करती थीं, और न ही ट्रेक्टर। वह जमाना टीवी-चैनलों का भी नहीं था। पक्के (सीमेंट-कंक्रीट) मकान भी कम थे। मिट्टी के मकान ही थे। गांव में सड़कें नहीं थीं और ना ही नल। गांव में कुएं हुआ करते थे,पनघट पर भीड़ होती थी, बाल्टियों की खट-पट होती थी।

हमारे गांव में अलग-अलग जातियों के मोहल्ले थे। अधिकांश लोगों की आजीविका खेती और पशुपालन पर आधारित थी। लेकिन बड़ी संख्या मजदूरों की थी, जो खेतों में मजदूरी करते थे। मेरे पिता भी एक छोटे किसान थे, हालांकि मैंने खुद खेत में काम नहीं किया, पर थोड़ी बहुत उनकी मदद जरूर करता था।

अगर हम इस जिले को भौगोलिक दृष्टि से दो भागों में बांटे तो एक सतपुड़ा की जंगल पट्टी है और दूसरा है नर्मदा का कछार। सतपुड़ा की जंगल पट्टी में मुख्य रूप से आदिवासी निवास करते हैं। नर्मदा कछार में कृषक जातियां निवास करती हैं। हालांकि कई मिश्रित गांव भी हैं। हमारा गांव मिश्रित था,और मैदानी क्षेत्र में है। हालांकि वहां से सतपुड़ा पहाड़ ज्यादा दूर नहीं है।

मैं छुटपन से ही किसानों के बीच रहा। उनके बीच पला-बढ़ा, उठा बैठा, बोला बतियाया। आड़ी-टेढ़ी पगडंडियों से गुजरा। खेत-खलिहानों में गया। उनके दुख-दर्द को सुना। वे कैसे रहते हैं, खेतों में कब जाते हैं, वहां क्या करते हैं, क्या खाते हैं, क्या पहनते हैं। क्या बोलते बताते हैं, क्या सोचते हैं,यह सब सुना समझा है। इसलिए बाद में मैंने लेखन में कृषि को प्रमुखता दी।

मेरे पिता किसान थे, और वह खुद रोज खेत जाया करते थे। फसल होती थी, तब तो खेत जाना होता था, लेकिन जब खेत खाली रहते थे, तब भी खेत जाते थे। मेरे पूछने पर एक दिन उन्होंने बताया था कि वे खेत से बात करते हैं। यानी खेत जाने से उन्हें समझ आता था कि खेत में क्या काम करना है। अगर मेड़ बनानी है तो वह काम करते थे, खेत को फसल को तैयार करना होता था, तो वह काम करते थे। खेत से उनका गहरा आत्मिक लगाव था।

जब वे खेत में जाते थे, तो आसपड़ोस के किसान भी आ जाते थे। वे आपस में मिल बैठकर खेती-किसानी के अलावा, दुख-दर्द भी आपस में साझा करते थे। वे क्या सोचते हैं, क्या उनके सपने हैं, क्या करना चाहते हैं, सब कुछ बतियाते थे। पेड़ के नीचे या गलियों में आराम से बैठे देखकर अच्छा लगता था, क्योंकि उन्हें किसी बात की जल्दबाजी नहीं होती थी। उनकी जिंदगी धीरे-धीरे चलती थी। आज की जिंदगी सबसे तेज, सबसे आगे के मंत्र से संचालित है। जबकि धीरे चलना भी एक मूल्य की तरह है, जिसमें गांव जीते थे। इस समय दुनिया के कई देशों में स्लो मूवमेंट चल रहा है। यह एक सांस्कृतिक पहल है जिसमें आधुनिक जीवन की गति को कम करने की वकालत की गई है।

अगर किसान हल-बक्खर चलाते थे, तो बैलों का ख्याल रखा जाता था। बहुत देर होने या थकान महसूस करने पर मेड़ पर बैठ जाते थे, जिससे किसान के साथ बैलों को भी आराम मिल जाता था। खेत तैयार होने पर उनमें बीज छिड़कते थे, कुछ दिन में वे उग आते थे। हरा-भरा खेत देखकर मन भी हरा हो जाता था। ठंड के दिनों में गेंहू में सिंचाई करनी होती थी, तो जागना पड़ता था। बीच-बीच में कच्ची नाली फूटी तो नहीं है, यह देखने जाना पड़ता था। अलाव के सहारे रात काटनी होती थी। यह सब उनके काम थे। सुबह-सवेरे खेतों में चिड़ियों का झुंड धमकता था, कलरव होता था। आसपास के पेड़ों पर उनका घोंसला होता था। हम लोग उन्हें घास के तिनके चोंच में ला-लाकर घोंसला बनाते हुए देखते थे। पीली, भूरी चिड़ियाएं वहां आती थीं, और फुर्र से उड़ जाती थीं। उनके छोटे बच्चे भी वहां होते थे। हालांकि ज्वार के खेतों में किसान पक्षियों से परेशान भी रहते थे। वे उन्हें भगाने के लिए बिजूका भी लगाते थे। जबकि कुछ उन्हें चुगने के लिए पेड़ों पर फसलों की बालियां टांग देते थे। यानी उस जमाने की खेती में मनुष्य की भूख मिटाने के साथ जीव-जगत के पालन का विचार निहित था। सला होताा झं पर झुंड दिखता था। गोबर र मेड़ पर बैं,

मार्च के महीने में गेहूं कटाई होती थी। उन दिनों हमारा अस्थाई घर खेत में ही बन जाता था। रात में वहीं रहते थे। रहने के लिए ढबुआ (घास-फूस का छोटा सा घर) बनाया जाता था। रात में कटाई होती थी। खुले आसमान में तारे देखना, और बुजुर्गों से उनकी कहानी सुनना। गांवों में तारों को पहचानना, तारों टूटना, बिखरना और उससे मनुष्य के जीवन को जोड़कर देखना, सुंदर कल्पना होती थी। यहकिसानों का अपना तरीका होता था। तारों के स्थानीय नाम थे। हिन्नी (हिरण), खटोला (चारपाई), यानी इस तरह दिखने वाले तारे।

रात में चंद्रमा की रोशनी में कटाई होती थी, तब बहुत ही सुंदर वातावरण होता था। हसिए से फसल कटाई की खर्र-खर्र आवाज आती थी। कभी कभी सियार की आवाजें सुनाई देती थीं।

उन्हीं दिनों महुआ बिनाई का काम होता था। सुबह-सवेरे महुआ बीनने जाते और सूरज निकलने से पहले घर आ जाते। आंगन में महुआ की खुशबू से वातावरणगुलजार होता था। अगर खेत में चना बोया होता था, तो हरे चने को भूनकर खाने में बड़ा मजा आता था। इसे होउरा कहते थे। होउरा खाने के लिए मेहमान, मित्र व परिचित खेत पर पहुंच जाते थे।

उस जमाने में किसान के घर का देसी बीज होता था यानी उसकी मुट्ठी में बीज होता था। पशुपालन होता था तो गोबर खाद होती थी, उसके घर के बैल होते थे, जिसे वह हल में जोतता था। खेत में किसान खुद मेहनत करता था। यानी इस खेती में लागत लगभग शून्य होती थी। मिट्टी की उर्वरक शक्ति भी बनी रहती थी।

उस समय खेती के कामों में लोग एक-दूसरे की मदद करते थे। अगर कोई बुजुर्ग हैं, अकेला है, या किसी के पास जुताई के लिए बैल नहीं है, तो पड़ोसी उनकी मदद करते थे। बारी-बारी से एक दूसरे का काम करने की अच्छी परंपरा थी। गांवों में लोग शाम के शाम बैठते थे, बतियाते थे। अगर कोई जरूरतमंद होता था, तो गांव के लोग हर संभव मदद करते थे।

आज आधुनिक रासायनिक खेती हो रही है। बैलों की जगह ट्रेक्टर से खेती हो रही है। संकर बीजों से हो रही है। संकर बीजों से होने वाली खेती ज्यादा पानी, ज्यादा रासायनिक खाद, ज्यादा कीटनाशक मांगती है। इससे लागत बढ़ जाती है और मिट्टी-पानी और पर्यावरण का प्रदूषण होता है। किसान कर्ज में डूब जाते हैं। और खुदकुशी भी करते हैं।

इसलिए हमें देसी बीजों वाली प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए। जिसमें बीज, खाद किसान का हो। जैव कीटनाशक वे खुद बना सकते हैं। खेतों के आसपास फलदार पेड़ लगाने चाहिए, जिससे मिट्टी पानी का संरक्षण हो,और कुछ आमदनी भी हो। देसी बीज स्वाद व पौष्टिकता में बेजोड़ भी होते हैं। खेती की लागत कम होती है, इससे जैव विविधता व पर्यावरण का संरक्षण भी होता है।लेकिन क्या हम इस दिशा में बढ़ने को तैयार हैं?

बस 24 घंटे और...बांदा की शहजादी को रहम या मिलेगी 'मौत', दुबई कोर्ट में 29 को फैसला

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा के एक गांव की रहने वाली शहजादी को दुबई में फांसी दी जाएगी। ये पहले 21 सितंबर को दी जानी थी, लेकिन वादी यानि शहजादी के पिता शब्बीर के वकील ने दया याचिका दाखिल की है, जिस पर दुबई की शीर्ष अदालत और यूएई के प्रशासन व शासन ने 29 सितंबर की तारीख मुकर्रर की है। 29 को फैसला आएगा कि माफी दी जाए या शहजादी को फांसी पर लटका दिया जाएगा। संयुक्त अरब अमीरात यूएई की अबू धाबी जेल में कैद यूपी के बांदा की के रहने वाली दिव्यांग शहजादी को 21 सितंबर को फांसी की सजा दी जाएगी।

यूएई की कोर्ट ने 21 सितंबर को शहजादी को फांसी के फंदे पर लटकाने का वक्त मुकर्रम कर दिया

था। फांसी की सजा पायी शहजादी के बूढ़े माता-पिता ने रो-रो कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपनी बेटी को बचाने के लिए दुबई तक पहुंच गए और फांसी की माफी के लिए फरियाद कर रहे हैं। भारत सरकार ने घरवालों के माध्यम से वहां पर दया माफी की अर्जी लगवाई है।

फेसबुक पर मिले एक शख्स से हुआ प्यार

बांदा के मटौंध थाना के गोयरा गांव मुगली की रहने वाली शहजादी सामाजिक संस्था रोटी बैंक में काम करती थी। फेसबुक के जरिए आगरा के रहने वाले उजैर से शहजादी का संपर्क हुआ था। कथित मानव तस्कर के प्रेमजाल में शहजादी फंस गई। शहजादी का चेहरा जला हुआ था और उजैर ने उसे इलाज के लिए आगरा बुला लिया। वहां से उसे इलाज करने के नाम पर आगरा के और वर्तमान में दुबई में रहने वाले दम्पति फैज और नादिया के हाथ शहजादी का सौदा कर उसको दुबई भिजवा दिया था।

दुबई में नौकरों की तरह काम कर रही थी शहजादी

वहां शहजादी को घरेलू नौकर की तरह काम करना पड़ता था और फैज और उसकी पत्नी के टॉर्चर से भी गुजरना पड़ता था। इसी बीच फैज के 4 साल के बेटे की बीमारी के दौरान मौत हो गई थी। इसका इल्जाम दुबई में रहने वाले इस दंपति ने शहजादी पर लगाते हुए उसे गिरफ्तार करा दिया था। दुबई की कोर्ट ने चार महीने पहले ही शहजादी को बच्चे की हत्या के जुर्म में मौत की सजा सुनाई थी। इस पर शहजादी के घरवालों ने बांदा सीजेएम कोर्ट में फरियाद कर कोर्ट के आदेश पर आरोपी उजैर और दुबई में रहने वाले दंपति के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया था। साथ ही पीएम मोदी से शहजादी को बचाने की फ़रियाद भी की थी।

शहजादी के घरवालों के मुताबिक, अबूधाबी की जेल में शहजादी को अपने घरवालों से बात करने की छूट दी गई है और शहजादी ने अपने पिता को फोन करके बताया और वहां की कोर्ट के आदेश भी भेजे हैं, जिससे यह पता चला कि इसी महीने यानि 21 सितंबर को शहजादी को सजा मौत देने का समय मुकर्रर कर दिया गया था, लेकिन पिता द्वारा दया याचिका लगाई जाने पर अब 29 तारीख मुकर्रर की गई है कि उसे फांसी दी जाए या फिर दया।

बेटी को बचाने के लिए लगाई गुहार

पीड़ित शहजादी ने अपने पिता से फोन पर बात करते हुए समाजसेवी और राजनीतिक दलों से मदद मांगी है और कहा है कि वह अबू धाबी की जेल से छूटने के बाद अपने साथ हुए अत्याचार को सबके सामने लाना चाहती है। शहजादी के पिता शब्बीर ने बताया कि मेरी बेटी को किस तरह से खरीद फरोख्त करके दुबई भेजा गया। फिर उसको वहां आया के रूप में रखा गया, प्रताड़ित किया जाता था और अपने ही बच्चे की हत्या का आरोप लगाकर उसे फांसी देने का काम इन जालिमों ने दिया है।

उसी से बेटी को बचाने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुहार लगाई भारत सरकार ने मिलकर दुबई में यह दया की अर्जी लगवाई है। पिता के द्वारा जिसकी तारीख 29 सितंबर मुकर्रर की गई है। अब देखना यह है कि सरकार माफी देती है या शहजादी को फांसी दे देती है।

ट्रांसपोर्ट कंपनी के तीन ठिकानों पर जीएसटी का छापा, 19 लाख का माल जब्त

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ में जीएसटी की विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी) की टीम ने 26 सितंबर देर रात ट्रांसपोर्ट कंपनी के तीन ठिकानों पर छापा मार कार्रवाई की। टीम ने यहां से 19 लाख रुपये के माल जब्त किए। इसके अलावा दो कार्यालय अघोषित मिले। टीम ने नोटिस देकर जवाब के लिए संचालक को कार्यालय बुलाया है। इधर, कार्रवाई की सूचना पर पहुंचे अन्य ट्रांसपोर्टरों की जीएसटी अधिकारियों से नोकझोंक भी हुई। जीएसटी एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-2 डॉ. एसएस तिवारी, जेसी एसआईबी रश्मि सिंह के निर्देश पर डीसी एसआईबी अखिलेश कुमार सिंह की टीम ने अजय फ्रेट कैरियर के मानिक चौक, देहली गेट व सासनी गेट कार्यालय पर छापा मारा। तीनों स्थानों पर करीब 200 से अधिक कार्टन मिला। इस माल के कोई प्रपत्र नहीं मिले। डीसी एसआईबी अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि रात में टीम ने तीन ठिकानों पर छापा मारा था। जांच के दौरान सासनी गेट और मानिक चौक के कार्यस्थल घोषित नहीं मिले। करीब 19 लाख का माल सीज किया गया है। संचालक आकाश सिंह के मुताबिक एसआईबी की टीम जांच करने आई थी। टीम ने जो दस्तावेज मांगे थे उसे दे दिया गया। कार्रवाई की सूचना पर अन्य ट्रांसपोर्टर भी पहुंच गए। जिनकी जीएसटी अधिकारियों से तीखी नोकझोंक भी हुई। जांच टीम में डीसी एसआईबी आरके सिंह, एसी एसआईबी शिव कुमार सिंह, एसी एसआईबी डॉ. अभिषेक सिंह, एसी सचल दल देवेंद्र कुमार, एसी सचल दल प्रतीक कुमार आदि मौजूद रहे।

बरेली में लड़की की मौत, घरवालों का आरोप– 'मनचले ने बेटी को खिला दिया जहर', पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में संदिग्ध परिस्थितियों में एक छात्रा की जहर खाने से मौत हो गई। परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों ने कहा कि युवक आए दिन छात्रा से छेड़खानी करता था और उसका उत्पीड़न करता था। इतना ही नहीं, परिजनों ने ये भी आरोप लगया है कि आरोपी ने घर में घुसकर छात्रा को जहर दिया है। वहीं छात्रा की हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अब जांच कर रही है कि छात्रा ने खुद खाया जहर या आरोपी ने दिया।

पूरा मामला बरेली के थाना इज्जत नगर इलाके के करमपुर चौधरी गांव का है। एक 14 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में जहर

खाने से मौत हो गई। छात्रा के परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले हसन पर हत्या का आरोप लगाया है। छात्रा के मामा और परिवारवालों का आरोप है कि गांव में रहने वाला हसन आए दिन छात्रा के साथ छेड़छाड़ करता था और उसका शोषण करता था। आरोप यह भी है कि हसन ने ही घर में घुसकर उसे जहर दे दिया जिससे छात्रा की मौत हो गई। छात्रा की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

परिजनों ने पड़ोसी पर लगाया आरोप

पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर, आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस अब इस पहलू पर भी जांच कर रही है कि जहर छात्रा ने खुद कहा है या उसे हसन ने दिया है। फिलहाल छात्रा की मौत के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। पिरजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों का आरोप है कि हसन ने उनके घर की खुशियां छीन ली है।

पढ़ने में होशियार थी छात्रा

छात्रा के परिजनों ने बताय कि वह पढ़ने में बहुत होशियार थी और पढ़ाई में उसकी बहुत ही रुचि थी। हसन ने उनके घर की खुशियां छीन ली। वहीं पूरे मामले में इज्जत नगर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने कहा कि पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी हसन को हिरासत में ले लिया गया है और पूछताछ की जा रही है।

ट्रेलर की टक्कर से ऑटो सवार 15 स्कूली बच्चे घायल, मची चीख-पुकार

फतेहपुर। फतेहपुर जिले के थरियांव थाना क्षेत्र में स्कूली बच्चों से भरी ऑटो हादसे का शिकार हो गई। हसवा स्थित एमएफ मॉडर्न स्कूल के बच्चे ऑटो रिक्शा से दनियालपुर उर्फ कमालीपुर उल्टे साइड से जा रहे थे। जैसे ही अंबापुर ओवरब्रिज से नीचे की तरफ उतरे तभी सामने से आ रहे ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ऑटो चकनाचूर हो गया। ऑटो ट्रक में फंसकर लगभग 20 मीटर घिसटता गया। ड्राइवर और बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के पहुंचे ग्रामीणों ने एंबुलेंस और पुलिस की मदद से सभी घायल बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। ऑटो में लगभग 15 बच्चे सवार थे। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

द : 'पुलिस ने बेटे को मार डाला...', घरवालों का आरोप, एसपी ने 7 पुलिसकर्मियों को किया सस्पेंड

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले ठाकुरद्वारा कोतवाली इलाके में एक युवक की संदिग्ध मौत के बाद हुए बवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने गंभीरता से लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिम ने चार पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। वहीं इस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने लापरवाही बरतने पर थाना प्रभारी सुरेंद्र पाल सिंह समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। पूरे मामले पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जांच के भी आदेश दिए हैं। युवक की मौत के बाद परिवार के लोगों ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाया था। कार्रवाई नहीं होने पर जमकर हंगामा भी किया था। मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र में एक युवक की मौत होने पर गांववालों ने जमकर बवाल किया था। परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाया था कि युवक को मारकर उसे ट्रैक्टर के नीचे फेंक दिया था। बवाल और हंगामे के बीच गांववालों की पुलिस से काफी नोक झोंक भी हुई थी जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। बवाल के दौरान दो पुलिसकर्मियों पर पैसे लेने का आरोप लगाते हुए गांववालों ने एक पुलिसकर्मी से मारपीट करते हुए उसकी वर्दी तक फाड़ दिए गई थी।

पुलिसकर्मी की फाड़ दी थी वर्दी

ठाकुरद्वारा कोतवाली इलाके में लोकेश उर्फ़ सोनू रोज की तरह अपने घर से काम करने के लिए निकाला था। जब वह वापस घर नहीं पहुंचा तो परिवार वालों के द्वारा उसे ढूंढने का प्रयास किया गया था। लोगों को पता चला कि एक शव ट्रैक्टर के पहिए के नीचे सड़क किनारे पड़ा है। जानकारी मिलने पर भारी संख्या में घटना स्थल पर गांव वाले इकट्ठा हो गए थे। गांव के लोगों ने देखा कि मृतक सोनू ट्रैक्टर के पहिए के नीचे दबा हुआ है। गांव के लोगों ने कहा कि पुलिस की वजह से सोनू की मौत हुई है। गांव के लोगों ने पुलिस पर पैसे लेने का आरोप लगाया। इस दौरान पुलिस और गांव वालों के बीच जमकर नोकझोंक हुई और एक पुलिसकर्मी की वर्दी भी फाड़ दी।

थानाध्यक्ष समेत 7 पर गिरी गाज

मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने थाना प्रभारी सुरेंद्र पाल सिंह, उप निरीक्षक ऋषभ शुक्ला, उप निरीक्षक आकाश परमार, आरोपी हेड कांस्टेबल अनीश और चालक हेड कांस्टेबल नरेश लाटियान के साथ दो सिपाही अजीत सिंह और राजेंद्र कुमार को निलंबित कर दिया है। वहीं पुलिस अधीक्षक ने इन लोगों के खिलाफ विभागीय जांच भी बिठा दी है। इस घटना को लेकर ठाकुरद्वारा क्षेत्र अधिकारी राजेश कुमार को भी सर्किल ऑफिस से हटकर जिला मुख्यालय से भेज दिया गया है।

घर से बाजार के लिए निकला युवक, वन्दे भारत ट्रेन की चपेट में आकर मौत

अयोध्या। घर से बाजार के लिए निकले करीब 42 वर्षीय युवक की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शनिवार सुबह करीब साढे. ग्यारह बजे बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के मरुई सहाय सिंह पठखौली गांव के समीप अयोध्या प्रयागराज रेल ट्रैक पर हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आने से 42 वर्षीय प्रेम प्रकाश बनराजा पुत्र जयराम बनराजा निवासी नसीरपुर मूसी नगर पंचायत बीकापुर की दर्दनाक मौत हुई है । घटना शनिवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे की बताई जाती है। हादसे की सूचना मिलने के बाद 112 पीआरबी पुलिस व रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। और सूचना बीकापुर कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर लोगों से घटना के बारे में जानकारी की। शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

'कोतवाल को अरेस्ट करो...' बयान के लिए अदालत को टरका रहे थे पुलिस अफसर, जज ने दे दिया ये आदेश

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में कोर्ट ने महिला कोतवाल को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। महिला कोतवाल को एक मामले में बयान दर्ज नहीं कराने के बाद कोर्ट ने ये आदेश जारी किया है। इससे पहले कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया था कि वो महिला को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करें। महिला कोतवाल तारावती जब सुहवल की थानध्यक्ष थीं तब एक सुनीता नाम की महिला ने ससुराल में पारिवारिक विवाद में अपने तीन बच्चों को चाय में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया था। इस मामले में तारावती ने महिला को जेल भेज दिया था। इस मामले में कई लोगों ने बयान दर्ज कराया है लेकिन तारावती ने तारीख मिलने के बाद भी बयान नहीं दर्ज कराया। कोर्ट ने नाराज होकर महिला कोतवाल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया।

जानकारी के मुताबिक, भुड़कुड़ा कोतवाल जब सुहवल की थाना अध्यक्ष थीं। उस दौरान उन्होंने एक महिला को जेल भेज दिया था। महिला पर आरोप था कि उसने ससुराल में विवाद होने पर अपने तीन बच्चों को मारने का प्लान बनाया था। बच्चों को मारने के लिए उसने चाय जहरीला पदार्थ मिला कर उन्हें मारने की कोशिश की थी, जिसमें एक बच्चे की मौत भी हो गई थी।

कोर्ट ने जताई नाराजगी

इस पूरे मामले में उस समय थानाध्यक्ष रहीं तारावती ने महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं इस मामले में कई लोगों ने कोर्ट में अपनी गवाही दर्ज कराई थी, लेकिन कोतवाल तारावती कोर्ट में बयान दर्ज नहीं कराया। कोर्ट की तरफ से कई बार बयान दर्ज कराने की तारीख भी दी गई। लेकिन तारावती कई तारीख मिलने के बाद भी कोर्ट नहीं पहुंची। जिस पर नाराज होकर अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम शक्ति सिंह की अदालत ने गिरफ्तारी का आदेश दिया है।

कोर्ट वेतन पर लगाई रोक

अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम शक्ति सिंह की अदालत ने भुड़कुड़ा कोतवाली की प्रभारी रह चुकीं तारावती के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करते हुए थाना अध्यक्ष सुहवल को यह आदेश दिया है कि उसे 7 अक्टूबर को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करें। इतना ही नहीं कोर्ट ने तारावती का बयान अंकित होने तक उनके वेतन पर भी रोक लगाने का आदेश दिया है।

गैर जमानती वारंट जारी

कोर्ट में फरवरी 2024 से ही इस मामले में गवाही को लेकर कार्रवाई चल रही है लेकिन कोतवाल तारावती की गवाही न होने से आगे की कार्रवाई नहीं हो पा रही है। कोर्ट ने आगे की कार्रवाई को पूरा करने के लिए तारावती के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करते हुए गिरफ्तार कर 7 अक्टूबर को कोर्ट में पेश करने के लिए पुलिस को निर्देश दिया है।

पुलिस गिरफ्त में अष्टधातु की मूर्ति के साथ पकड़े गये तस्कर

अयोध्या। हनुमानजी की अष्टधातु की प्रतिमा को बेंचने के पहले तीन मूर्ति तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ गए। जबकि सरगना लखनऊ में पकड़े गए साथियों का इंतजार कर रहा है। यह बड़ी कामयाबी अयोध्या की रौनाही थाना पुलिस के हाथ लगी है। मूर्ति तस्करों के बाबत शनिवार की सुबह मुखबिर ने सूचना दी थी। सटीक सूचना पर रौनाही पुलिस तहसीनपुर टोल प्लाजा से लेकर लखौरी तिराहे तक गिरोह के चक्कर में शादी वर्दी में टहलती रही। जिसके बाद रौनाही पुलिस की गिरफ्त में मूर्ति चोरों के तीन सदस्य आ ही गए। इनके पास से हनुमान जी की एक मूर्ति बरामद हुई। मूर्ति के परीक्षण में यह अष्ठ धातु की निकली और अंतर राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 50 लाख से ज्यादा आंकी जा रही है। पुलिस लाइंस सभागार में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जल्द ही सरगना भी गिरफ्त में होगा।

भेड़ियों के साथ अब बाघ भी घुसे, एक ही रात दोनों ने किया हमला ; 2 मासूम सहित 4 घायल

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच में आदमखोर भेड़ियों के हमले से पहले ही लोग काफी परेशान थे कि इसी बीच एक ही रात में बाघ और भेड़िये के 4 हमलों से शहर पूरी तरह से दहल उठा है। बहराइच में इंसानों के ऊपर जंगली जानवरों का हमला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला देर रात का है जब महसी इलाके में नरभक्षी भेड़िये ने अलग-अलग दो जगहों पर 2 मासूमों पर जानलेवा हमला कर उन्हें अपना निवाला बनाने का प्रयास किया।

हालांकि, इस मामले में राहत की बात ये है कि परिजनों की चौकसी की वजह से भेड़िया दोनों मासूमों को निवाला नहीं बना पाया। वहीं दूसरी ओर सुजौली थाना क्षेत्र में एक ही रात में बाघ ने अलग-अलग दो लोगों पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया जिनका इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, महसी इलाके के नकहा और रमपुरवा गांव में देर रात मां के साथ सो रहे मासूमों के ऊपर भेड़िए ने हमला कर दिया।

परिजनों की चौकसी की वजह से बच्चों को तो बचा लिया गया लेकिन दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जिनका इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। मां के साथ सो रहे बच्चे पर भेड़िए ये अचानक हमला कर दिया। वहीं दूसरी तरफ थाना सुजौली थाना क्षेत्र के अयोध्या पुरवा में छत के ऊपर सो रही किशोरी के ऊपर बाघ ने अचानक हमला कर दिया। बाकी हमले में किशोरी गंभीर रूप से घायल हुई है जिसका इलाज अस्पताल में किया जा रहा है।

वेदों के ज्ञान के साथ अब बटुक सीख रहे कराटे, वाराणसी के मठ में दी जा रही ट्रेनिंग

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी के मठों में वेद वाणी और मंत्रों की गूंज सुनाई देती है जहां धोती और जनेऊ धारण कर वेद छात्र शास्त्रों पर शास्त्रार्थ करते नजर आते हैं लेकिन इन दिनों यहां एक नई तस्वीर नजर आ रही है जहां वेद छात्र जिन्हें बटुक कहा जाता है, वो इन दिनों शास्त्र के साथ-साथ आत्मरक्षा के दाव-पेंच सीख रहे हैं। बाकायदा इन्हें कराटे और ताईक्वानडो की ट्रेनिंग दी जा रही है। यह शुरुआत हुई है धर्म नगरी काशी में जहां बटुक वेद छात्रों को आत्मरक्षा के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है।

वाराणसी सनातन संस्कृति की परंपरा आज भी मठों में देखी जाती है जहां हिंदू बच्चों को वेद और संस्कृत का ज्ञान दिया जाता है। उन्हें मंत्रों से सुसज्जित किया जाता है जो आगे चलकर कथावाचक, अर्चन, पुजारी धर्मगुरु, पुरोहित बनते हैं लेकिन वाराणसी के कैलाश पूरी मठ में शास्त्र के साथ-साथ नई परंपरा की झलक दिखाई पड़ी। धोती जनेऊ धारण किए

यह छात्र पहले तो ध्यान लगाते हैं, मंत्रों के उच्चारण से खुद को जागृत करते हैं फिर उसके बाद यह आत्मरक्षा के गुण कराटे और ताईक्वानडो सीखते हैं।

हर दिन हो रही क्लासिस

हर एक दिन इन्हें ट्रेनिंग दी जा रही है। भोर में साढ़े चार बजे उठ कर यह बच्चे पहले वेद की पढ़ाई करते हैं। उसके बाद इन्हें सुबह आठ बजे से साढ़े नौ बजे तक प्रैक्टिस करवाई जाती है। इसके लिए बाकायदा इनके लिए राष्ट्रीय स्तर के कोच को भी नियुक्त किया गया है, जो इन्हें हर दिन आकर ट्रेनिंग दे रहे हैं। ऐसी प्रैक्टिस कि अगर कभी जरूरत पड़े तो यह सामने वाले प्रतिद्वंदी को पठखनी दे सकें।

कैलाश पूरी मठ से शुरुआत

कैलाश पूरी मठ में इसकी शुरुआत हुई थी। आने वाले समय में यह ट्रेनिंग ज्यादा से ज्यादा मठों में दी जाएगी। वेद बटुक छात्रों को आत्मरक्षा के गुण सिखाये जाएंगे। वाराणसी के कैलाश पूरी मठ में इसकी शुरुआत से बाकी मठ भी अब संपर्क में आ रहे हैं। ये कहा जा सकता है कि मठों में योग के बाद आत्मरक्षा के गुण के लिए कराटे और ताईक्वानडो सीखने की नई परंपरा की शुरुआत हो चुकी है जो जल्द ही हर मठ में नजर आएगी।

बरेली में तनाव ! मस्जिद के नाम पर अवैध निर्माण, धरने पर बैठ गए बीजेपी विधायक, पुलिस फोर्स तैनात

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में उस वक्त हड़कंप मच गया जब मुस्लिम समुदाय के लोग एक घर में अवैध रूप से मस्जिद का निर्माण कर रहे थे। निर्माण को रुकवाने के लिए बीजेपी विधायक डॉ. एमपी आर्य और सैकड़ों की संख्या में उनके समर्थक मौके पर पहुंचे। एमपी आर्य ने आरोप लगाया कि पुलिस की मिली भगत से निर्माण कराया जा रहा था। दोनों सामुदायों की ओर से जमकर पत्थरबाजी भी हुई। जिसकी तमाम वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इलाके में शांति बहाली के लिए कई थाने की पुलिस को तैनात कर दिया है। पुलिस के अधिकारी भी मौके पर तैनात हैं। मामले को शांत करने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल निर्माण रुकवा दिया गया है। पूरा मामला बरेली के कुलड़िया क्षेत्र के केला डांडा है, जहां अवैध मस्जिद के निर्माण को रुकवाने को लेकर दोनों पक्षों में जमकर पथराव हुआ। जिसके

बाद गांव में सांप्रदायिक तनाव फैल गया। अवैध निर्माण की सूचना पर बीजेपी के विधायक डॉक्टर एमपी आर्य अपने समर्थकों के साथ पहुंचे और निर्माण को रोकने की बात कही। वहीं निर्माण न रुकने पर विधायक और उनके समर्थक और गांव के सैकड़ों लोग आक्रोशित हो गए और वह धरने पर बैठ गए। मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि हिंदू समुदाय के लोगों ने भीड़ के साथ आकर दीवार को गिरा दिया। पत्थरबाजी और हंगामे की सूचना पर पुलिस के अधिकारी और कई थानों की फोर्स बुलाई गई। पीएससी को भी बुलाया गया और जवानों को गांव में तैनात कर दिया गया। उसके बाद फायर विभाग की गाड़ी भी मौके पर लाई गई। छतों से ईंट-पत्थर फेंकने के वीडियो भी सामने आ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में अवैध तरह से मस्जिद का निर्माण हुआ था। करीब 4 महीने पहले यहां बीजेपी नेताओं की शिकायत पर पुलिस प्रशासन ने निर्माण कार्य रुकवा दिया था। जिसके बाद पुलिस ने ताला जड़वा दिया था। बीच-बीच में कई बाद दो-दो सिपाहियों की ड्यूटी भी लगाई गई। बीजेपी नेताओं का कहना है कि रात में यहां चोरी छिपे निर्माण किया गया है।

पुलिस ने क्या कहा?

एसपी दक्षिण मुकेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि पूर्व में मजिस्ट्रेट के आदेश पर निर्माण कार्य रुकवाया गया था। लेकिन हिंदू पक्ष के लोग यह कह रहे हैं कि यहां नमाज होती है। हिंदू पक्ष ने दीवार गिराई है, जिसके बाद 12 लोगों को हिरासत में लिया गया। इन लोगों को छुड़वाने के लिए लोग धरने पर बैठ गए।

हरियाली, बहते झरने...बनारस से 3 से 4 घंटे की दूरी पर हैं घूमने की ये खूबसूरत जगहें

गंगा की बहती जलधारा और घाटों की संध्या आरती, काशी विश्वनाथ मंदिर, आध्यात्मिक शांति, बनारस ऐसी जगह है जो किसी को भी भा जाए। बनारस अपने आप में बेहद खूबसूरत है, लेकिन इसके आसपास भी कुछ ऐसी जगहें हैं जो हरियाली से भरपूर हैं और अगर हिल स्टेशन वाला फील लेना है तो इन जगहों की ट्रिप प्लान की जा सकती है। अगर कहीं और के रहने वाले हैं और बनारस विजिट कर रहे हैं तो भी आप साथ में इन जगहों पर जा सकते हैं। ये सभी प्लेस बनारस से सिर्फ लगभग 100 किलोमीटर या इससे भी कम दूरी पर हैं, इसलिए आसानी से 2 से तीन घंटे का ट्रेवल करके इन जगहों पर पहुंचा जा सकता है।

बनारस या वाराणसी नगरी में एक बार जाना तो ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है। भगवान भोलेनाथ के दर्शन और गंगा किनारे बैठकर मन शांति से भर जाता है। फिलहाल अगर आप यहां आ रहे हैं या फिर रहने वाले हैं तो जान लें कि बनारस से सबसे नजदीकी ऐसी जगहें कौन सी हैं जहां आपको भरपूर हरियाली के साथ ही खूबसूरत झरने आदि देखने को मिल सकते हैं।

लखनियां पहाड़ियां और वाटर फॉल

बनारस से महज 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में एक खूबसूरत झरना बहता है, जिसे लखनिया दरी झरना कहा जाता है। लगभग 150 मीटर ऊंची पहाड़ी से कुंड में झरता हुआ ये झरना बेहद खूबसूरत लगता है। यहां आना आपके लिए काफी रोमांचक हो सकता है।

राजदरी झरना

बनारस से करीब 60 किलोमीटर दूर चंदौली जिले में स्थित राजदरी झरना विजिट कर सकते हैं। ये सबसे लोकप्रिय पिकनिक स्पॉट में से एक है। आप फैमिली से लेकर दोस्तों तक के लिए यहां की एक छोटी ट्रिप प्लान कर सकते हैं और हरियाली के बीच एक शांति भरा वीकेंड बिता सकते हैं। यहां पर बैडमिंटन आदि गेम भी खेल सकते हैं।

देवदरी झरना

चंदौली में ही स्थित देवदरी झरना विजिट किया जा सकता है। दरअसल ये दोनों ही झरने चंद्रप्रभा वन्यजीव अभयारण्य में हैं। यह जगह खूबसूरत तो है ही साथ ही यहां पर कई वन्य जीवों की प्रजातियां भी पाई जाती हैं। प्राकृतिक नजारों को निहारना है तो एक दिन की ट्रिप यहां की प्लान कर सकते हैं क्योंकि हो सकता है आपको ठहरने की कोई जगह न मिले। इस तरह से बनारस के 100 किलोमीटर के दायरे में आप प्रकृति के बीच वक्त बिता सकते हैं और वीकेंड की ट्रिप प्लान कर सकते हैं।

टांडा फॉल

वाराणसी से करीब 75 किलोमीटर की दूरी पर स्थित टांडा गांव में एक नेचुरल वाटर फॉल है जो इस क्षेत्र की सबसे खूबसूरत जगह माना जाता है और लोकल लोगों के साथ ही पर्यटकों को काफी आकर्षित करता है। झरने से बहती जलधारा और नदी, शांत वातावरण, हरियाली आपके मन को भा जाएंगे।

'एक चुप सौ को हराए', इन मौकों के लिए सही है ये कहावत, जानें कब न बोलें

जब अक्सर लोगों को लगता है कि वह चुप रहेंगे तो लोग कमजोर समझ लेंगे, इसलिए वह भी तर्क-वितर्क करने में पीछे नहीं रहते हैं, लेकिन इस वजह से कई बार इंसान अपना ही नुकसान करवा बैठता है, इसलिए यह व्यक्ति को ये पता होना बहुत जरूरी है कि किन मौकों पर उसे चुप रहना चाहिए।

अपनी दादी-नानी या मम्मी से आपने भी ये कहावत सुनी होगी 'एक चुप सौ को हराए'। ज्यादातर ये लाइन तब कही जाती है जब किसी से झगड़ा हो रहा हो और ये काफी हद तक सही भी होता है। फिलहाल झगड़े के अलावा भी कई मौकों पर चुप रहने में ही भलाई होती है। अक्सर लोगों को लगता है कि वह चुप रहेंगे तो लोग कमजोर समझ लेंगे, इसलिए वह भी तर्क-वितर्क करने में पीछे नहीं रहते हैं, लेकिन इस वजह से कई बार इंसान अपना ही नुकसान करवा बैठता है, इसलिए यह व्यक्ति को ये पता होना बहुत जरूरी है कि किन मौकों पर उसे चुप रहना चाहिए।

कहा जाता है कि बोलने से ज्यादा मुश्किल होता है चुप रहना और जिसने ये कला सीख ली उसकी जिंदगी सुखी रहती है। हालांकि हमेशा नहीं, लेकिन कुछ स्थितियों में जवाब देने की बजाय चुप रहना चुनना चाहिए और यह आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि कब-कब नहीं बोलना चाहिए।

गुस्सा आए तो रहें चुप

गुस्सा एक ऐसा इमोशन है, जब इंसान सोचने-समझने की स्थिति में नहीं रहता है और इसके चलते कई बार लोग कुछ ऐसा कटु बोल जाते हैं कि वह ऐसे अनमोल रिश्ते या मौके को खो देते हैं, जिसके लिए वह बाद में पछताते रह जाते हैं, इसलिए जब गुस्सा आए तो उस दौरान चुप रहना ही बेहतर होता है।

सामने वाला जब कर रहा हो किसी की बुराई

निंदा यानी बुराई करना सबसे बुरी बात होती है और ये बचपन से पेरेंट्स अपने बच्चों को सिखाते हैं, हालांकि ये अलग बात है कि लोग अपना समय दूसरों की बुराई करने में काफी गुजारते हैं। ऐसे में आपको चाहिए कि जब कोई किसी की बुराई कर रहा है तो उस दौरान बिल्कुल चुप रहना चाहिए। ऐसे में न तो बहस करें और न ही आप उसमें शामिल हों, क्योंकि कई बार लोग सिर्फ किसी की बुराई इसलिए भी कर रहे होते हैं कि वह आपका रिएक्शन जानना चाहते हैं और ऐसे में पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल आप मुसीबत में आ सकते हैं।

कोई बहस करना चाहता हो तो चुप रहें

जिस तरह से खुद को गुस्सा आने के दौरान चुप रहना चाहिए, ठीक उसी तरह अगर कोई आपसे बहस करने के मूड में है तो चुपचाप वहां से निकल जाना चाहिए, क्योंकि इससे तीन नुकसान होंगे, एक आप खुद भी स्ट्रेस में आ जाएंगे और दूसरा ये कि कोई करीबी रिश्ता है तो वह टूट सकता है और तीसरा ये कि बहस में सिर्फ समय की बर्बादी होती है और वक्त बहुत कीमती होता है। उसे किसी से बहस करके गंवाना नहीं चाहिए।

किसी चीज के बारे में जब जानकारी न हो

अगर किसी मुद्दे को लेकर आपके पास अधूरी जानकारी हो या फिर जानकारी न हो तो ऐसे में चुप रहना ही बेहतर होता है, क्योंकि बना जानकारी के आप सिर्फ कुतर्क कर सकते हैं, जिससे बहस को बढ़ावा मिलता है और अंत में खुद की इंसल्ट हो सकती है। हां अगर किसी विषय पर जानकारी न हो तो उस बारे में बात करने की बजाय विनम्रता से पूछना आपकी नॉलेज को बढ़ाता है।

दो लोग कर रहे हैं जब बात

कई बार लोग बिना सोचे-समझे किसी भी बात के बीच में कूद पड़ते हैं। ये आदत न सिर्फ आपके सम्मान को कम कर सकती हैं, बल्कि शायद कोई ऐसे शब्द भी आपसे बोल सकता है, जो आपके दिल को ठेस पहुंचा सकते हैं, इसलिए जब कोई भी दो लोग आपस में बात रहे हो और खासतौर पर किसी गंभीर मुद्दे पर... ऐसे में आपका कोई रोल न हो तो चुप रहना ही बेहतर होता है।

लंबा जीवन जीने वालों से सीखने वाली 10 बातें : वो ताजी चीजें खाते हैं, सफलता के पीछे नहीं भागते, दिल खोलकर प्यार करते हैं

हर कोई लंबी उम्र पाना चाहता है, लेकिन हमारी लाइफस्टाइल ऐसी है कि वो हमें वक्त से पहले बूढ़ा और बीमार बना रही है। आजकल की जीवनशैली में लोगों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो उनकी सेहत और उम्र पर बुरा असर डालती हैं। जैसे रोज देर से सोना और जल्दी न उठ पाना, जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड खाते रहना, चीनी का ज्यादा सेवन करना, कोई एक्सरसाइज न करना, काम को लेकर हमेशा तनाव में रहना और भयानक बिजी लाइफ।

यूनाइटेड नेशन्स के 'डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल अफेयर्स' के एक सर्वे के मुताबिक, 2024 में भारत की वर्तमान लाइफ एक्सपेक्टेंसी 70।62 साल है। यानी भारतीय औसतन 70 साल के लगभग जीते हैं। यह बाकी देशों की लाइफ एक्सपेक्टेंसी की तुलना में कम है। दुनिया में बहुत सारे देश ऐसे हैं, जहां लोग लंबी और स्वस्थ जिंदगी जीते हैं। आखिर उनकी जिंदगी में ऐसा क्या खास है। वो कौन सी चीजें हैं, जो उन्हें लंबी सेहतमंद जिंदगी की नेमत बख्शती हैं।

इन्हीं सवालों का जवाब जानने की कोशिश करेंगे, आज के रिलेशनशिप कॉलम में। साथ ही जानेंगे उन 'ब्लू जोन' देशों के बारे में, जहां लोग 100 साल तक जीते हैं।

लंबी उम्र का 70-80% संबंध हमारी लाइफस्टाइल स

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की एक स्टडी के मुताबिक, हमारी जेनेटिक डिजाइन से लंबी उम्र का संबंध सिर्फ 20% से 30% है। बाकी 70% से 80% यह हमारी जीवनशैली पर निर्भर करता है। यानी यह वाकई हमारे जीवन जीने के तरीके पर ही निर्भर करता है कि हम कितना लंबा और खुशहाल जीवन जिएंगे।

जवानी में हम अपनी दिनचर्या पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते हैं। फास्ट फूड जैसेकि बर्गर, मोमोज, मैगी, पिज्जा खाते रहना, घंटों मोबाइल चलाना, रील्स देखना, गेम खेलना, परिवार के साथ समय नहीं बिताना और फिर जल्दी थक जाना। इस तरह की लाइफस्टाइल का हमारे स्वास्थ्य पर बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। इसका असर सालों बाद हमारी सेहत पर नजर आता है।

आधुनिक शहरी जीवन के नकारात्मक पहलू

साइकोलॉजिस्ट डॉ। जफर खान कहते हैं कि शहरी जिंदगी का तनाव, प्रतिस्पर्द्धा और अकेलापन, ये सब आधुनिकता के चंद नकारात्मक पहलू भी हैं। हमें इनके बारे में सोचने और काम करने की जरूरत है। जैसेकि-

जीवन में बहुत ज्यादा तनाव और वर्कलोड है।

लोग परिवार से दूर अलग-अलग शहरों में रहते हैं।

जीवन में वास्तविक, गहरी दोस्तियों का अभाव है।

दफ्तर में कॉम्पटीशन ज्यादा और सद्भाव कम है।

लोग अपने-अपने घरों में आइसोलेटेड जीवन में जी रहे हैं।

कई बार तो महानगरों में पड़ोसी भी अपने पड़ोसी को नहीं जानते।

न्यूक्लियर परिवार बढ़ने से फैमिली सपोर्ट नहीं मिल पाता।

अकेलापन और तनाव कर रहा आपकी उम्र को कम

सिर्फ खान-पान या खराब लाइफस्टाइल ही नहीं, समाज से अलगाव और शहरों में रह रहे लोगों का अकेलापन भी एक कारण हो सकता है, जो हमारी उम्र पर असर डाल रहा है। आजकल लोगों के पास अपनी बात कहने, अपना दर्द बयां करने के लिए भी कोई नहीं है। वे प्यार, समर्थन और साथ न खोज पाने के कारण अकेलापन और तनाव झेल रहे होते हैं।

साइकोलॉजिस्ट डॉ। जफर खान कहते हैं कि अकेलेपन के कारण आप दूसरों से अलग-थलग महसूस कर सकते हैं। इससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, दोनों पर असर पड़ता है। अकेलेपन से उपजा तनाव आपको परेशान कर सकता है। बार-बार बुरे ख्याल आना, अवसाद और शरीर में दर्द जैसे शारीरिक लक्षण भी हो सकते हैं।

सफलता पाने की होड़ में पागल हो जाना

साइकोलॉजिस्ट डॉ। जफर खान कहते हैं कि आज के कॉम्पिटीटिव वर्ल्ड में हर कोई सफलता के पीछे भाग रहा है। इससे भी लोगों में और खासकर युवाओं में तनाव बढ़ रहा है। साथ ही काम के बोझ, लगातार दूसरों से बेहतर करने की दौड़ में हम अपनी सेहत और मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर रहे हैं। इसका एहसास हमें तब होता है, जब बहुत देर हो जाती है।

जिंदगी में प्यार कम और ईर्ष्या ज्यादा

दफ्तर में, परिवार में, समाज में, जिंदगी में प्रतिस्पर्द्धा बढ़ रही है और उसी से उपज रही है ईर्ष्या। साइकोलॉजिस्ट डॉ। जफर खान कहते हैं कि हमारे पास जो है, हम उसमें संतुष्टि नहीं है। जीवन में प्यार, सद्भाव और समर्थन की भावना कम हो रही है। यह लाइफ एक्सपेक्टेंसी के लिए बहुत खतरनाक है।

बुढ़ापा एक बीमारी है और इसका इलाज भी है

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में जेनेटिक्स के प्रोफेसर डेविड ए। सिंक्लेयर ने एक किताब लिखी है- 'लाइफस्पैनः वाय वी एज एंड वाय वी डोंट हैव टू।' उन्होंने इस बारे में एक सिद्धांत प्रतिपादित किया है कि हमारी उम्र क्यों बढ़ती है और लंबा हम जीवन कैसे जी सकते हैं। उनका तर्क है कि हम अपनी जीवनशैली को बदलकर हम लंबी आयु प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए ये समझना होगा कि लंबा जीवन जीने वालों में ऐसा क्या खास है।

'ब्लू जोन' यानी जहां लोग 100 साल जीते हैं

'ब्लू जोन' वाले देश वे हैं, जहां लोग औसतन ज्यादा उम्र तक जीते हैं, कुछ लोग तो 100 साल तक भी। वे इतनी लंबी उम्र तक इसलिए भी जीते हैं क्योंकि वे ज्यादा मेहनत करते हैं, अच्छा खाते हैं, प्रकृति से जुड़े रहते हैं और स्वस्थ रहते हैं। इन देशों में जीवनशैली और खान-पान ऐसा है, जो लंबी उम्र और स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। नीचे ग्राफिक में जानें, 'ब्लू जोन' कहां-कहां हैं।

इन जगहों का कैसे पड़ा 'ब्लू जोन' नाम...

इन जगहों को 'ब्लू जोन' इसलिए कहा जाता है क्योंकि इन इलाकों को मैप पर नीली स्याही से हाईलाइट किया गया था। इसके पीछे एक दिलचस्प कहानी है। एक बार अमेरिकन लेखक डैन ब्यूटनर डेमोग्राफर, मिशेल पॉलेन के साथ एक रिसर्च कर रहे थे। वे मैप पर उन इलाकों को आइडेंटिफाई कर रहे थे, जहां लोग 100 साल से ज्यादा जीते हैं। जब उन्हें ये जगहें मिलीं तो उन्होंने उस वक्त अपने हाथ में पकड़े नीले पेन से उसे हाईलाइट कर दिया। तभी से उन जगहों का नाम 'ब्लू जोन' पड़ गया।

मसालों में कीटनाशक मिलने के बाद अब सरकार ने लिया बड़ा फैसला, देश में तैयार होगा नेशनल एग्रीकल्चर कोड

अभी देश में बिजली के उपकरणों के लिए एक 'स्टार रेटिंग सिस्टम' है। वहीं गोल्ड से लेकर सिल्क, प्रेशर कुकर तक की क्वालिटी, एफिशिएंसी तय करने के लिए स्टैंडर्ड या हॉलमार्किंग सिस्टम है। अब ऐसा ही कुछ काम सरकार एग्रीकल्चर सेक्टर में करने जा रही है।

कुछ महीने पहले जब भारत की मसाला कंपनियों के प्रोडक्ट में कीटनाशक मिलने की खबर आई थी और सिंगापुर और हांगकांग ने कुछ भारतीय मसाला प्रोडक्ट्स को बैन कर दिया था। तब इस खबर ने देशभर में हलचल पैदा कर दी थी। ये मांग भी उठ रही थी कि खेती से जुड़ी वस्तुओं के लिए कोई मानक तय होना चाहिए, उनके स्टैंडर्ड फिक्स होने चाहिए। अब सरकार ने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है और देश में राष्ट्रीय कृषि संहिता (नेशनल एग्रीकल्चर कोड) तैयार किया जा रहा है।

देश में वस्तुओं, उत्पादों और प्रक्रियाओं के स्टैंडर्ड फिक्स करने का काम भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) करता है। गोल्ड से लेकर सिल्क और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों तक की 'हॉलमार्किंग' और 'स्टार रेटिंग' सिस्टम को बनाने का काम बीआईएस ही करता है और अब यही देश में नेशनल एग्रीकल्चर कोड (NAC) बनाने जा रहा है।

क्या काम करेगी राष्ट्रीय कृषि संहिता?

एजेंसी की खबर के मुताबिक भारतीय मानक ब्यूरो कृषि सेक्टर में क्वालिटी और सर्वोत्तम गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कृषि संहिता (एनएसी) विकसित कर रहा है। इसमें उभरती एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजीस से लेकर, नवीन कृषि गतिविधियों और भारत भर में बदलती क्षेत्रीय स्थितियों को शामिल किया जाएगा। इस कोड को डेवलप करने में उन क्षेत्रों की पहचान की जाएगी, जहां अभी स्टैंडर्डाइजेशन की कमी है। फिर उनके लिए स्टैंडर्ड विकसित किए जाएंगे।

ये ठीक वैसी ही होगी जैसी बीआईएस ने पहले भवन निर्माण के लिए राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) और बिजली क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय विद्युत संहिता (एनईसी) तैयार की है। इन सभी स्टैंडर्ड कोड को इंडस्ट्री से लेकर आम लोगों तक सबने सराहा है।

नेशनल एग्रीकल्चर कोड से क्या फायदा होगा?

नेशनल एग्रीकल्चर कोड से होने वाले फायदे के बारे में बीआईएस के डायरेक्टर जनरल प्रमोद कुमार तिवारी का कहना है कि अभी देश में एग्रीकल्चर मशीनरी, टूल्स से लेकर कच्चे माल के लिए मानक मौजूद हैं। एनएसी नीति निर्माताओं को जरूरी होने पर भारतीय कृषि में गुणवत्ता संस्कृति को सक्षम बनाने का काम करेगा। ये कृषक समुदाय को मार्गदर्शन प्रदान करने का भी काम करेगा।

बीआईएस के डिप्टी डायरेक्टर जनरल (स्टैंडर्डाइजेशन) संजय पंत ने कहा कि एनएसी में किसानों के लिए अधिक अनुकूल परिवेश बनाकर भारत के कृषि क्षेत्र को बदलने की अपार क्षमता है। ये किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके और कुशल तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने का काम करेगी। एनएसी ग्रामीण भारत में लाखों लोगों की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार कर सकता है।

दुनिया में होंगे अडानी ग्रुप के चर्चे, 2 कंपनी करने जा रही ये बड़ा काम

देश में हर साल बन रहे हैं 33 करोड़ मोबाइल फोन

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने कहा कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र वर्तमान में पूरे देश में लगभग 12 लाख लोगों को रोजगार दे रहा है, और हर साल 32.5 से 33 करोड़ मोबाइल फोन का विनिर्माण किया जा रहा है।

देश में पिछले 10 साल में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण तेजी से बढ़ा है। वित्त वर्ष 2014-15 में यह 1.9 लाख करोड़ रुपये था जो बढ़कर 2023-24 में 9.52 लाख करोड़ रुपये (17.4 प्रतिशत की वार्षिक औसत वृद्धि दर के साथ) पर पहुंच गया। इस दौरान निर्यात में भी 22.7 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। 'मेक इन इंडिया' पहल की 10वीं वर्षगांठ पर आईटी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स सबसे प्रभावशाली क्षेत्रों में से एक के रूप में उभरा है।

उन्होंने कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में भारत से निर्यात भी 2014-15 में लगभग 38,263 करोड़ रुपये से बढ़कर 22.7 प्रतिशत सीएजीआर पर 2.41 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह अन्य निर्यात क्षेत्रों की वृद्धि की तुलना में काफी तेज है। साल 2014-15 में देश में बिकने वाले मोबाइल फोनों में से केवल 26 प्रतिशत ही भारत में बनते थे शेष आयात किए जाते थे।

आज भारत में बिकने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल फोन देश में ही बनते हैं। कृष्णन ने बताया, हम भारत में हर साल 32.5 से 33 करोड़ मोबाइल फोन बनाते हैं और औसतन करीब एक अरब मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं। हमने घरेलू बाजार को बढ़ावा दिया। यही वजह है कि आप देख रहे हैं कि मोबाइल फोन के निर्यात में काफी बढ़ोतरी हुई है।

वित्त वर्ष 2023-24 में मोबाइल फोन का निर्यात लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये का था जो 2014-15 की तुलना में 77 गुना बढ़ गया है। वित्त वर्ष 2014-15 में मोबाइल फोन निर्यात करीब 1,566 करोड़ रुपये का था। मोबाइल क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना पर सचिव ने कहा कि हमने अपने उत्पादन लक्ष्य को पार कर लिया है और कुल उत्पादन 6.61 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। निवेश का कुल मूल्य भी 9,100 करोड़ रुपये है, जो लक्ष्य से काफी अधिक है।

कृष्णन ने कहा, कुल 1,22,613 लोगों को रोजगार मिला है, जो कि योजना के मूल लक्ष्य के अनुरूप है। इसलिए यह मेक इन इंडिया की बड़ी उपलब्धियों में से एक है और आज इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र पूरे देश में करीब 12 लाख लोगों को रोजगार देता है। देश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण आधार स्थापित करना 'मेक इन इंडिया' का दूसरा बड़ा हिस्सा रहा है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन के शुभारंभ और स्वीकृत की गई पांच प्रमुख परियोजनाओं के साथ सेमीकंडक्टर विनिर्माण का आधार तैयार हो रहा है। इन परियोजनाओं में माइक्रोन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की दो परियोजनाएं, सीजी पावर की एक परियोजना और कीन्स की एक परियोजना शामिल है।

पीएम मोदी से मिले टाटा संस और ताइवान के पीएसएमसी के शीर्ष अधिकारी, गुजरात के सेमीकंडक्टर प्लांट पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टाटा संस और ताइवान की पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (पीएसएमसी) के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने पीएम को गुजरात के धोलेरा में 91,000 करोड़ रुपये की लागत से बन रही मेगा सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन फैक्ट्री की प्रगति के बारे में जानकारी दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने बताया कि उनकी टाटा संस और पीएसएमसी की नेतृत्व टीम के साथ एक शानदार बैठक हुई।

पीएम मोदी ने कहा कि अधिकारियों ने अपनी सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजना पर अपडेट शेयर किए। पीएसएमसी ने भारत में अपने विस्तार को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि धोलेरा में सेमीकंडक्टर फैब के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पीएसएमसी के बीच एक विस्तृत प्रौद्योगिकी करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन सहित नेतृत्व टीम से मिलने के बाद मंत्री ने कहा, समग्र सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम आकार ले रहा है।

पीएम मोदी ने मार्च में गुजरात में टाटा-पीएसएमसी चिप प्लांट की आधारशिला रखी थी। फैब निर्माण से क्षेत्र में 20 हजार से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कुशल नौकरियां पैदा होंगी। इस फैब की विनिर्माण क्षमता प्रति माह 50 हजार वेफर्स तक होगी और इसमें उद्योग में सर्वश्रेष्ठ फैक्ट्री दक्षता प्राप्त करने के लिए डेटा एनालिटिक्स और मशीन लर्निंग को तैनात करने वाली अगली पीढ़ी की फैक्ट्री ऑटोमेशन क्षमताएं शामिल होंगी।

कंपनियों के अनुसार, नया सेमीकंडक्टर फैब पावर मैनेजमेंट आईसी, डिस्प्ले ड्राइवर, माइक्रोकंट्रोलर (एमसीयू) और हाई-परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग लॉजिक जैसे एप्लिकेशन के लिए चिप्स का निर्माण करेगा, जो ऑटोमोटिव, कंप्यूटिंग और डेटा स्टोरेज, वायरलेस संचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे बाजारों में बढ़ती मांग पूरी करेगी।

चंद्रशेखरन के अनुसार, परंपरागत रूप से टाटा समूह ने देश के कई क्षेत्रों में नेतृत्व किया है और हमें विश्वास है कि सेमीकंडक्टर निर्माण में हमारा प्रवेश इस विरासत को और बढ़ाएगा

पीएम मोदी ने हाल ही में कहा था कि सेमीकंडक्टर निर्माण के मामले में भारत में आने का यह सही समय है, क्योंकि देश वैश्विक कंपनियों के लिए एक एकीकृत इकोसिस्टम प्रदान कर रहा है। साथ ही व्यापार करने की आसानी और एक बड़ा टैलेंट पूल भी प्रदान करता है।

हिजबुल्लाह-हमास को घेरते घेरते बाइडेन सरकार को भी नसीहत दे गए इजराइली पीएम नेतन्याहू

लेबनान, एजेंसी। लेबनान में इजराइली हमले भीषण होते जा रहे हैं। शुक्रवार को बेरूत में एक रिहायशी इलाके में मिसाइलें दागी गईं, इस हमले में 6 इमारतें ध्वस्त हो गईं, वहीं 6 लोगों की मौत हो गई। इजराइली सेना के मुताबिक इस इलाके में हिजबुल्लाह का हेडक्वार्टर था जिसे टारगेट कर हमला किया गया। यह हमला संयुक्त राष्ट्र महासभा में इजराइली पीएम नेतन्याहू की स्पीच के करीब एक घंटे बाद हुआ।

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में बोलते हुए नेतन्याहू ने हमास-हिजबुल्लाह और ईरान को जमकर घेरा। नेतन्याहू ने साफ कर दिया कि जब तक हमास और हिजबुल्लाह को पूरी तरह खत्म नहीं कर देते तब तक इजराइली सेना के हमले जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से इजराइल असहनीय स्थिति का सामना कर रहा है, लेकिन आज मैं यहां कहने आया हूं कि 'बस अब बहुत हुआ।'

UNGA में स्पीच देते हुए नेतन्याहू ने हमास-हिजबुल्लाह पर हमला करने के साथ-साथ अपने सबसे अजीज दोस्त अमेरिका को भी नहीं बख्शा। नेतन्याहू ने अमेरिका की ओर से बनाए जा रहे युद्धविराम के दबाव को लेकर बाइडेन सरकार को बड़ी नसीहत दे डाली। नॉर्दर्न हिस्से का जिक्र करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि हिजबुल्लाह ने इजराइल के एक हिस्से को घोस्ट टाउन में बदल दिया है। अगर आतंकियों ने ऐसा अमेरिका के सैन डिएगो के साथ किया होता तो अमेरिकी सरकार एक दिन भी बर्दाश्त न करती।

दरअसल 7 अक्टूबर को हमास के हमलों के बाद इजराइल ने गाजा में सैन्य अभियान शुरू कर दिया था। गाजा में हो रहे इजराइली हमलों के खिलाफ हिजबुल्लाह इजराइल के नॉर्दर्न हिस्से में हमले कर रहा था। नेतन्याहू सरकार के मुताबिक हिजबुल्लाह के हमलों की वजह से करीब 60 हजार यहूदी क्षेत्र को छोड़ चुके हैं और इन यहूदियों को दोबारा नॉर्थ इजराइल में बसाना ही उनका नया युद्ध लक्ष्य है। इसी के चलते इजराइल ने लेबनान में हमले शुरू कर दिए। इन हमलों में अब तक 700 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है वहीं एक लाख से भी ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। माना जा रहा है कि विस्थापितों की वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है।

उधर इन हमलों से पहले लेबनान में 17 और 18 सितंबर को हजारों पेजर्स और वॉकी-टॉकी में धमाके हुए। इन धमाकों में 37 लोग मारे गए वहीं करीब 3 हजार से ज्यादा लोग घायल हो गए। इन धमाकों के लिए हिजबुल्लाह ने इजराइल पर आरोप लगाए थे। अगले ही दिन 19 सितंबर को हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह ने पेजर्स और वॉकी-टॉकी ब्लास्ट को 'एक्ट ऑफ वॉर' बताया था। उन्होंने साफ कर दिया था कि इजराइल के इन हमलों से हिजबुल्लाह झुकेगा नहीं और गाजा में इजराइल के खिलाफ मदद पर कोई असर नहीं होगा।

नुकसान झेलने के बाद मुइज्जू की अकड़ हुई कम, आ रहे भारत दौरे पर मालदीव के राष्ट्रपति

मालदीव. मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में भारत के द्विपक्षीय दौरे पर आएंगे. वह 6 से 10 अक्टूबर के बीच भारत में रहेंगे. इससे पहले वह 9 जून को भारत के दौरे पर थे, लेकिन वह द्विपक्षीय दौरा नहीं था. वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ समारोह में भाग लेने आए थे.

मुज्जू के भारत दौरे को द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है. 2023 में राष्ट्रपति बनने के बाद मुइज्जू का भारत का यह पहला द्विपक्षीय दौरा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात 7 अक्टूबर को प्रस्तावित है. मुइज्जू ने नवंबर 2023 में राष्ट्रपति का चुनाव जीता था. उनके पूरे चुनाव प्रचार का आधार ही भारत विरोध का था. "इंडिया आउट" नाम का अभियान अभियान चलाया था.

राष्ट्रपति बनने के बाद मुइज्जू ने अपने देश की निर्भरता भारत पर कम करने का प्रयास किया, जिसके कारण दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई थी. मुइज्जू की सरकार ने मालदीव में तैनात 85 भारतीय सैन्य कर्मियों को हटाने की मांग की और भारत के साथ 2019 में किए गए संयुक्त हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण समझौते को समाप्त करने का निर्णय लिया, जिससे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध और भी खराब हो गए.

मुइज्जू को चीन का करीबी माना जाता है. उन्होंने अपना पहला दौरा भी चीन का ही किया था. जब से मुइज्जू ने सत्ता संभाली है तब से उन्होंने यह प्रयास किया है कि भारत से निर्भरता कम करते हुए चीन और तुर्की जैसे देशों के साथ रिश्ते को मजबूत किया जाए. हालांकि हाल के महीनों में संबंधों में सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं. भारत ने मानवीय मिशनों के लिए उपयोग होने वाले दो हेलीकॉप्टरों और एक विमान के संचालन और रखरखाव के लिए सैन्य कर्मियों को हटाते हुए उनकी जगह नागरिक विशेषज्ञों को नियुक्त किया. इसके बाद मुइज्जू को मोदी के शपथ ग्रहण में आमंत्रित क्षेत्रीय नेताओं की सूची में अचानक शामिल किया गया था.

फ्लोरिडा और जॉर्जिया में तूफान हेलेन ने मचाई तबाही, अब तक 30 लोगों की मौत, 9 लाख घरों में बिजली गुल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के चार राज्य पिछले दो दिनों से जानलेवा तूफान 'हेलेन' का सामना कर रहे हैं। इनमें फ्लोरिडा, जॉर्जिया, नॉर्थ कैरोलिना और साउथ कैरोलिना जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं, इन राज्यों में तूफान के कारण मरने वालों की संख्या कम से कम 30 पहुंच गई है। तूफान 'हेलेन' ने शुक्रवार को फ्लोरिडा और जॉर्जिया समेत पूरे दक्षिण-पूर्वी अमेरिका में भारी तबाही मचाई। नेशनल हरिकेन सेंटर के मुताबिक, तूफान हेलेन ने गुरुवार रात 11:10 बजे फ्लोरिडा के बिग बेंड ग्रामीण इलाके में दस्तक दी। उस समय इसकी अधिकतम रफ्तार 225 किलोमीटर प्रति घंटा थी। वहीं, जानलेवा तूफान हेलेन ने शुक्रवार सुबह जॉर्जिया को प्रभावित किया। जब यह जॉर्जिया पहुंचा तो इसकी हवा की रफ्तार 177 किलोमीटर प्रति घंटा थी। तूफान हेलेन के कारण जॉर्जिया की सड़कें पानी में डूब गई हैं। जॉर्जिया में पहले ही दो लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि इसकी संख्या में और इजाफा हो सकता है। मौसम विज्ञानियों ने कहा है कि तूफान के कारण दक्षिण-पूर्वी अमेरिका के ज्यादातर हिस्सों में तेज हवाएं और बारिश होने का अनुमान है।

वहीं, मौसम विभाग ने तेज हवाओं और अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की है। साथ ही कहा गया है कि घातक तूफान हेलेन उत्तर की ओर बढ़ रहा है। तूफान के आने से पहले ही फ्लोरिडा में करीब 9 लाख घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों की बिजली आपूर्ति तेज हवाओं के कारण बाधित हो गई है।

इन राज्यों में गवर्नर ने आपातकाल घोषित किया

साथ ही, एनडब्ल्यूएस ने अटलांटा और आसपास के इलाकों समेत मध्य जॉर्जिया में अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की है। इसमें चेतावनी दी गई है कि इस क्षेत्र में 246 स्कूल और 23 अस्पताल हैं और दस लाख से अधिक निवासी खतरे में हैं। फ्लोरिडा, जॉर्जिया, अलबामा, कैरोलिनास और वर्जीनिया के गवर्नर ने अपने-अपने राज्यों में आपातकाल घोषित कर दिया है। तूफान से निपटने के लिए जॉर्जिया के गवर्नर ने अतिरिक्त सैनिकों और राहत कर्मियों को तैनात किया है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, तूफान हेलेन दक्षिण कैरोलिना तक फैल सकता है।

यूक्रेन जंग को रोकना होगा...पुतिन नहीं जीत सकते, डोनाल्ड ट्रंप से मिलकर बोले जेलेंस्की

यूक्रेन. यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन को लेकर बढ़ते सवालों के बीच राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि हमारा एक समान विचार है कि यूक्रेन में युद्ध को रोकना होगा और पुतिन नहीं जीत सकते।

एक सम्मेलन कक्ष में एक साथ पहुंचने के बाद पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हम आज भी एक साथ हैं और यह बहुत अच्छा संकेत है। यह बैठक न्यूयॉर्क में ट्रंप टॉवर में हुई है। इससे एक दिन पहले ट्रंप की डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने यूक्रेन के नेता से मुलाकात की थी और समर्थन व्यक्त किया था। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन की आलोचना करते रहे हैं। साथ ही वाशिंगटन को अपनी सेना को हथियार और धन मुहैया कराने के लिए राजी करने के लिए जेलेंस्की को सेल्समैन कहकर उपहास उड़ाते रहे हैं। हालांकि ट्रंप से मुलाकात के बाद एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए, जेलेंस्की ने लिखा कि डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मेरी बहुत ही अच्छी बैठक हुई। मैंने उन्हें हमारी विजय योजना प्रस्तुत की, और हमने यूक्रेन की स्थिति और हमारे लोगों के लिए युद्ध के परिणामों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मैं इस बैठक के लिए ट्रंप का आभारी हूं।

जेलेंस्की ने ट्रंप से कहा कि हम एक समान विचार साझा करते हैं कि यूक्रेन में युद्ध को रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुतिन जीत नहीं सकते, यह जंग यूक्रेनियों को जीतना चाहिए। बता दें कि यूक्रेन पर ट्रम्प का रुख कुछ हद तक विवादास्पद रहा है। उन्होंने पहले यूक्रेन को अमेरिकी सहायता की आलोचना की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रशंसा की थी। इसके विपरीत, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन की पुष्टि की है।

8 बिलियन अमरीकी डॉलर की सहायता

हाल ही में, अमेरिका ने यूक्रेन के लिए हथियारों के एक नए पैकेज और लगभग 8 बिलियन अमरीकी डॉलर की सहायता की घोषणा की। ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को आश्वासन दिया कि यदि वह 2024 का चुनाव जीतते हैं तो वे रूस-यूक्रेन युद्ध को बहुत जल्दी खत्म कर सकते हैं। ट्रम्प ने कहा, हमारे जेलेंस्की के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, और जैसा कि आप जानते हैं, राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अगर हम जीतते हैं, तो मुझे लगता है कि हम इसे बहुत जल्दी हल कर लेंगे।

जेलेंस्की का दौरा खत्म

इस बीच, जेलेंस्की ने अपना दौरा खत्म कर लिया है और अब वह वापस यूक्रेन जा रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि जैसा कि योजना बनाई गई थी, आज हम सभी आवश्यक बातचीत पूरी करने के बाद घर जा रहे हैं। हर चर्चा बिल्कुल वैसी ही हुई जैसी कि जरूरत थी। विजय योजना अमेरिका के सामने पेश की गई है, और हमने प्रत्येक बिंदु को विस्तार से समझाया है।

यूक्रेन की मजबूत स्थिति

जेलेंस्की ने कहा कि अब, हमारी टीमें हर कदम और निर्णय को लागू करने के लिए काम करेंगी। यूक्रेन के लिए मजबूत स्थिति का मतलब है शांति का एक तेज रास्ता। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन के लिए महत्वपूर्ण हर चीज हमारे भागीदारों के साथ टेबल पर है और विचाराधीन है। इसमें लंबी दूरी की क्षमता, रक्षा पैकेज, रूस के खिलाफ प्रतिबंध और रूसी संपत्तियों के संबंध में उपाय, हमने इन सभी विषयों को कवर किया है।

मरीज के परिजनों द्वारा पीटे जाने के बाद डॉक्टर्स ने दूसरे दिन भी रोका काम, सुरक्षा की मांग पर अड़े

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में आरजी कर मेडिकल कॉलेज का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है और अब राज्य के उत्तर 24 परगना जिले में भी एक सरकारी अस्पताल के डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ को पीटे जाने का मामला गरमा गया है। अस्पताल के डॉक्टर्स की काम रोकों हड़ताल लगातार दूसरे दिन भी जारी है। दरअसल शुक्रवार को एक मरीज के परिजनों ने उत्तर 24 परगना जिले के कमरहाटी इलाके में स्थित सागर दत्ता अस्पताल में डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ के साथ मारपीट की। इस घटना के विरोध में डॉक्टर्स ने काम रोक दिया और हड़ताल शुरू कर दी। डॉक्टर्स की मांग है कि सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर किया जाए।

मरीज की मौत से गुस्साए परिजनों ने की मारपीट

एक नर्स ने बताया कि शुक्रवार को एक महिला को सांस की तकलीफ होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला की हालत ठीक नहीं थी और जब तक उसे ऑक्सीजन देने की कोशिश की जाती, तब तक उसकी मौत हो गई। महिला के परिजनों का आरोप है कि मरीज को समय पर इलाज नहीं मिला, जिसकी वजह से उसकी मौत हुई। नर्स ने बताया कि पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में मरीज के परिवार के 15-20 लोगों ने महिला मेडिसिन वार्ड में घुसकर वहां मौजूद डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ के साथ मारपीट की। एक जूनियर डॉक्टर ने बताया कि इस घटना में तीन जूनियर डॉक्टर, तीन नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मी घायल हो गए।

सुरक्षा की मांग पूरी होने तक हड़ताल जारी रखने का एलान

इस घटना के विरोध में डॉक्टर्स ने काम रोकों हड़ताल शुरू कर दी। शनिवार को दूसरे दिन भी यह हड़ताल जारी है। एक जूनियर डॉक्टर ने कहा, 'हम बार-बार बाह्य रोगी विभाग और अस्पताल के वार्डों में उचित सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। लेकिन यह घटना साबित करती है कि राज्य प्रशासन अभी भी हमारी सुरक्षा की मांग के प्रति नहीं जागा है। जब तक पर्याप्त सुरक्षा की हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक 'काम बंद' हड़ताल जारी रहेगी।' बैरकपुर पुलिस आयुक्तालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अस्पताल प्रशासन ने कमरहाटी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है और जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद अस्पताल परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अस्पताल के मुख्य द्वार के पास पुलिस गश्ती दल निगरानी कर रहा है।

कोर्ट ने सीतारमण पर चुनावी बॉन्ड से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया, सीएम ने कसा तंज

बंगलूरू, एजेंसी। बंगलूरू की एक अदालत ने चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली के मामले में वित्त मंत्री निर्मला सीतारण के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। वहीं, इस मामले को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब भाजपा नेता कब इस्तीफा मांगेंगे।

जनाधिकार संघर्ष परिषद (जेएसपी) के सह अध्यक्ष आदेश अय्यर ने सीतारमण और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि चुनावी बॉन्ड के जरिए डरा-धमकाकर जबरन वसूली की गई। इस मामले में बंगलूरू की पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव कोर्ट ने प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। इसके बाद पुलिस ने वित्त मंत्री और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

क्या है चुनावी बॉन्ड?

बता दें कि केंद्र सरकार ने 2018 में चुनावी बॉन्ड योजना शुरू की थी। इस योजना के तहत सरकार राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे में नकद दान को खत्म करना था, ताकि राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बनी रहे। इसके बाद एसबीआई के चुनावी बॉन्ड के जरिए लोग राजनीतिक दलों को चंदा दे सकते थे। इसका खुलासा नहीं किया जाता था। पिछले साल विपक्षी दलों के आरोपों और इसके खिलाफ तमाम याचिकाओं के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि यह नागरिकों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करता है।

इन लोगों के खिलाफ शिकायत

अब आदर्श अय्यर ने आरोप लगाया कि चुनावी बॉन्ड के जरिए धमकी देकर जबरन वसूली की गई। जन अधिकार संघर्ष परिषद ने पिछले साल अप्रैल में अदालत में याचिका दायर कर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ईडी अधिकारियों, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पार्टी के अन्य राष्ट्रीय नेताओं, भाजपा के तत्कालीन कर्नाटक अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, बी वाई विजयेंद्र के खिलाफ शिकायत की थी। अदालत ने शिकायत पर सुनवाई करते हुए बंगलूरू के तिलक नगर पुलिस थाने को चुनावी बॉन्ड के जरिए जबरन वसूली का मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

कर्नाटक के सीएम ने मांगा इस्तीफा

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने निर्मला सीतारमण के इस्तीफे की मांग की और कहा कि इस मामले में तीन महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'निर्मला सीतारमण के खिलाफ जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। वह कौन हैं? वह एक केंद्रीय मंत्री हैं, और उनके खिलाफ एफआईआर भी है। वे चुनावी बॉन्ड के माध्यम से जबरन वसूली में शामिल थीं और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है।'

वाईएसआरसीपी नेताओं ने सीएम नायडू के 'पाप' के लिए किया प्रायश्चित, बोले- भगवान को राजनीति में घसीटा

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश में तिरुपति मंदिर के प्रसाद को लेकर जारी विवाद राजनीतिक रंग ले चुका है। सीएम चंद्रबाबू नायडू द्वारा पूर्व की वाईएसआरसीपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए गए। अब वाईएसआरसीपी ने भी सीएम चंद्रबाबू नायडू पर पलटवार किया है और आरोप लगाया है कि मंदिर का प्रसाद बनाने के लिए घी के जो सैंपल लिए गए थे, वो चंद्रबाबू नायडू की सरकार में ही लिए गए थे। इस तरह वाईएसआरसीपी ने लड्डू विवाद में टीडीपी सरकार को ही घेरने की कोशिश की। इसी के तहत वाईएसआरसीपी के नेता और

कार्यकर्ता शनिवार को प्रदेशभर में 'क्षमा' अनुष्ठान कर रहे हैं, ताकि मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा तिरुपति लड्डू (पवित्र मिठाई) की पवित्रता पर कथित रूप से आरोप लगाकर जो कथित 'पाप' किया गया है, उसका 'प्रायश्चित' किया जा सके।

गौरतलब है कि सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हाल ही में एनडीए विधायक दल की बैठक के दौरान आरोप लगाया था कि पूर्व की वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू प्रसाद बनाने के लिए घटिया सामग्री और पशुओं की चर्बी का इस्तेमाल किया। चंद्रबाबू नायडू के इन आरोपों ने बड़े विवाद को जन्म दिया और इससे करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं आहत हुईं। आलोचकों के निशाने पर आई वाईएसआरसीपी के मुखिया और पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि सीएम चंद्रबाबू नायडू सरासर झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कथित अपवित्रता बिल्कुल भी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जांच के लिए भेजे गए घी के नमूने एनडीए सरकार के समय लिए गए थे। जगन मोहन रेड्डी ने अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से चंद्रबाबू नायडू द्वारा आरोपों के माध्यम से किए गए कथित पाप के प्रायश्चित के लिए अनुष्ठान करने का आह्वान किया। शनिवार को वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता और तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष बी करुणाकर रेड्डी ने तिरुपति के तातय्या गुंटा में गंगम्मा मंदिर में प्रार्थना की। इसी तरह पूर्व सिंचाई मंत्री और वाईएसआरसीपी के नेता अंबाती रामबाबू ने गुंटूर स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा अर्चना की।

एक स्थानीय समाचार चैनल से बात करते हुए, वाईएसआरसीपी नेता एम शर्मिला रेड्डी ने कहा, 'नायडू ने भगवान को भी राजनीति में घसीटा और एक ऐसी घटना को लेकर बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया जो कभी हुई ही नहीं। मैं एक बात पूछ रही हूं। जब घी की खेप (कथित मिलावटी घी के टैंकर) आए, तब मुख्यमंत्री कौन था?' नायडू के आरोपों का विरोध करते हुए, कई वाईएसआरसीपी समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने एलुरु जिले में भी विशेष पूजा (अनुष्ठान) आयोजित की।

वॉर 2 के सेट से लीक हुआ ऋतिक-कियारा का रोमांटिक सीन

ऋ तिक रोशन और कियारा आडवाणी इस समय इटली में वॉर 2 की शूटिंग कर रहे हैं। शूटिंग की कई तस्वीरें और वीडियो पहले ही वायरल हो चुके हैं। तस्वीरों के एक सेट में ऋतिक और कियारा इटली की सड़कों पर हाथों में हाथ डाले घूमते और प्यारे पल बिताते नजर आ रहे हैं। ऋ तिक ने वायरल वीडियो में जींस के साथ व्हाइट टी-शर्ट के ऊपर ब्लू शर्ट पहनी हुई है वहीं कियारा पिंक ड्रेस में खूबसूरत लग रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक वॉर 2 के इस गाने को प्रीतम ने बनाया है जिसे वेनिस, टस्कनी, लेक कोमो, नेपल्स, अमाल्फी कोस्ट और सोरेंटो जैसी खूबसूरत लोकेशन पर शूट किया जाएगा। वॉर 2 की शूटिंग अक्टूबर 2023 में शुरू होगी। ऋतिक कियारा के इस वायरल वीडियो पर फैंस खूब कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा- वॉव ऋतिक और कियारा की जोड़ी कितनी प्यारी लग रही है। एक ने कमेंट किया- मैं ऋतिक और कियारा को बड़े पर्दे पर एक साथ देखने के लिए बेताब हूं। एक ने कमेंट किया- वॉर 2 का बेसब्री से इंतजार है।

यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई ऋ तिक और टाइगर स्टारर वॉर का सीक्वल है जो हिट रही थी। सीक्वल में, ऋ तिक और आरआरआर स्टार जूनियर एनटीआर आमने-सामने होंगे। इस फिल्म से एनटीआर अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन देखने को मिलेगा क्योंकि दोनों सितारे बड़े पर्दे पर एक्शन हीरो की इमेज से जाने जाते हैं। कुछ दिनों पहले, ऋतिक रोशन ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे इटली के खूबसूरत नजारों को एंजॉय कर रहे हैं। वॉर 2 में ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर, कियारा आडवाणी अहम रोल प्ले करते नजर आएंगे।

अनन्या पांडे की फिल्म सीटीआरएल से पहला लुक जारी, विंटेज स्कूल गर्ल बन जीत रहीं दिल

अनन्या पांडे इन दिनों बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स कर रही हैं। हाल ही में उनकी सीरीज 'कॉल मी बे' रिलीज हुई थी जिसे दर्शकों का पॉजिटिव रिस्पांस मिला। अब अनन्या ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'सीटीआरएल' से अपना लुक रिवील कर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। इस अपकमिंग फिल्म में अनन्या पांडे विंटेज स्कूल गर्ल वाइब्स देती नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपना पहला लुक शेयर किया। उनकी इन फोटोज पर फैंस ने खूब प्यार लुटाया है। सोशल मीडिया पर शेयर की गई इन फोटोज में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर2' एक्ट्रेस चेकर्ड स्वेटर के साथ ब्राउन स्कूल स्कर्ट पहने दिख रही हैं।

अनन्या पांडे ने चोटी में आधे बंधे बालों को साथ अपने लुक को पूरा किया है। उनका हेयर स्टाइल उनके आउटफिट के वाइब को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट कर रहे हैं, जिसे उन्होंने काले मोजे और ट्रेंडी प्लेटफॉर्म शूज के साथ पूरा किया है।

'सीटीआरएल' विक्रमादित्य मोटवानी और अविनाश संपत द्वारा लिखित और निर्देशित एक अपकमिंग थ्रिलर फिल्म है, जिसके संवाद सुमुखी सुरेश द्वारा लिखे गए हैं। निखिल द्विवेदी और आर्य मेनन द्वारा प्रोड्यूस इस फिल्म में अनन्या और विहान समत हैं। इसके साथ ही फिल्म में अपारशक्ति खुराना भी नजर आएंगे। यह फिल्म 4 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

उन्होंने हाल ही में कॉलिन डी' कुन्हा द्वारा निर्देशित कॉमेडी सीरीज 'कॉल मी बे' से अपना वेब सीरीज डेब्यू किया है। इसमें वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी हैं। यह प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है।

आलिया भट्ट की जिगरा का होश उड़ा देने वाला ट्रेलर रिलीज, भाई के लिए खाई गोलियां, नस काटने के लिए भी तैयार अंकुर की बहन सत्या

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और वेदांग रैना की आगामी फिल्म जिगरा की रिलीज के लिए तैयार है। मेकर्स ने जिगरा का ट्रेलर लॉन्च किया है। भाई को बचाने निकली आलिया भट्ट काफी दमदार किरदार में नजर आर्ई हैं। फैंस को एक्ट्रेस का किरदार काफी पसंद आया है।

आलिया भट्ट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर जिगरा का ट्रेलर शेयर किया है और कैप्शन में सब सेट है। जिगरा में आलिया भट्ट ने सत्या का किरदार निभाया है, जिसका अतीत काफी सारी परेशानियों से भरा है। सत्या के जीवन में केवल एक ही शख्स है और वो है उसका भाई अंकुर। वेदांग ने अंकुर का किरदार निभाया है।

ट्रेलर में सत्या (आलिया) का भाई अंकुर (वेदांग) ड्रग्स मामले में फंस जाता है। अंकुर अपनी बहन से दूर विदेश में रहता है। सत्या के पास अपने भाई को बचाने के लिए सिर्फ तीन महीने हैं। चूंकि वे अनाथ हैं। जब उन्हें अपने रिश्तेदारों से भी उम्मीद की कोई किरण नहीं दिखती, तो सत्या अपने भाई की जान बचाने का बीड़ा उठाती है।ट्रेलर में सत्या को हर बड़े खतरे से लड़ते हुए देखा गया हैं। उसकी आंखों में कोई डर नहीं है। अपने भाई का प्यार सत्या को एक ऐसे इंसान में बदल देता है जो किसी भी हद तक जा सकती है।

जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आलिया की फिल्म का मुकाबला राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी स्टारर विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से होगा। हालांकि, जिगरा के ट्रेलर से यह साफ हो जाता है कि यह भी एक ऐसी फिल्म है जिसे देखना चाहिए और यह दर्शकों के बीच सफल हो सकती है।

कहानी ठोस लगती है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें आलिया भट्ट एक ऑथर बैक रोल में है। वह एक ऐसी एक्ट्रेस है, जो दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचती हैं। इसलिए, उनकी मौजूदगी और पॉजिटिव प्रमोशन के साथ जिगरा बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हो सकती है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com